बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज के पिता स्वराज कौशल का निधन, मिजोरम के राज्यपाल की संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एफ-16 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट ने अपनी जान बचाई

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 335 | रायपुर | शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

भारत-रूस रिश्तों में नए अध्याय की शुरुआत - दोस्त की अगवानी करने खुद हवाई अड्डे पर पहुंचे मोदी

भारत के भरोसेमंद पुतिन पहुंचे दिल्ली

मोदी ने गले लगाकर किया पुतिन का गर्मजोशी भरा स्वागत, एक ही कार में पहुंचे प्रधानमंत्री आवास

प्राइवेट डिनर के साथ पुतिन करेंगे अपनी यात्रा की शुरुआत; व्यापार पर रहेगा फोकस

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार शाम पालम एयरपोर्ट पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिस गर्मजोशी से स्वागत किया, उसने न केवल भारत रूस मित्रता के लंबे इतिहास को एक बार फिर रेखांकित किया, बल्कि यह भी संकेत दिया कि इस दो-दिवसीय दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कई नई रणनीतिक पहलें आकार ले सकती हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर जैसे ही राष्ट्रपति पुतिन का विमान उतरा, प्रधानमंत्री मोदी स्वयं वहां उपस्थित थे। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया, गले मिले और फिर एक ही कार में साथ रवाना हुए–यह दृश्य अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की दुनिया में एक सशक्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यह दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण है। रूसयूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन की भारत की पहली यात्रा है। ऐसे समय जब पश्चिमी देशों और यूरोपीय संघ के कई प्रतिनिधि लगातार भारत से आग्रह कर रहे हैं कि वह पुतिन को युद्ध रोकने के लिए प्रेरित करे, पुतिन का दिल्ली आना वैश्विक कूटनीतिक समीकरणों में एक अहम मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। कूटनीतिक सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में कई यूरोपीय देशों के दूतों और अधिकारियों ने भारत को 'सूक्ष्म लेकिन स्पष्ट' रूप से संदेश दिया है कि ÷पुतिन भारत की बात सुनते हैं, मोदी जी ने स्वयं कहा है कि समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिलते, इसलिए कृपया उन्हें युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रेरित करें।÷ यह आग्रह इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पूर्वी यूरोपीय देशों को इस युद्ध के विस्तार का अस्तित्वगत खतरा महसूस हो रहा है। ऐसे माहौल में पुतिन की यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने की क्षमता रखती है, बल्कि यह वैश्विक संतुलन और मध्यस्थता में भारत की बढ़ती भूमिका को भी सामने लाती है। दिल्ली ने पुतिन के स्वागत के लिए पूरा राजकीय प्रोटोकॉल अपनाया है–निजी रात्रिभोज, औपचारिक भोज, महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें और शीर्ष भारतीय उद्योगपतियों को संबोधित करने का कार्यक्रम इस यात्रा की रूपरेखा में शामिल है। राजनयिक हलकों में यह माना जा रहा है कि इस यात्रा की 'ऑप्टिक्स' बहुत महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि दोनों राष्ट्र लंबे समय से रणनीतिक साझेदार रहे हैं और मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में यह रिश्ता एक नई प्रासंगिकता हासिल कर रहा है।

रात्रिभोज के दौरान होने वाली बातचीत को लेकर गोपनीयता

रात्रिभोज के दौरान होने वाली बातचीत को लेकर गोपनीयता बरती जा रही है, किंतु संकेत स्पष्ट हैं–दोनों नेता उन बिंदुओं पर खुलकर चर्चा करेंगे जो सार्वजनिक मंचों पर संभव नहीं होते। यह भी माना जा रहा है कि भारत यूरोप की चिंताओं और अपने स्वयं के राष्ट्रीय हितों दोनों को ध्यान में रखते हुए रूस से युद्ध समाप्ति या कम से कम तनाव घटाने की दिशा में सार्थक कदम उठाने का आग्रह कर सकता है।

पुतिन की यात्रा से दिल्ली के 5 सितारा होटलों का किराया बढ़ा, लाखों में पहुंचा

नईदिल्ली,। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दिल्ली यात्रा ने राष्ट्रीय राजधानी के 5 सितारा होटल मालिकों की चांदी कर दी है। इस सप्ताह अधिकतम बुकिंग की वजह से किराया आसमान पर पहुंच गया है, जहां पहले कमरे का किराया 50,000 रुपये था, वो बढ़कर 85,000 रुपये से 1.30 लाख रुपये हो गया है। दिल्ली के प्रदूषण को देखते हुए सभी होटलों में वायु शोधन प्रणालियों को भी मजबूत किया जा रहा है। दिल्ली में इस सप्ताह पुतिन की यात्रा के अलावा कई बड़े आयोजन हैं। भारत मंडपम में कराधान को लेकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की बैठक, यशोभूमि में पेपर प्रदर्शनी और यूनेस्को की बैठक है। इसके अलावा विवाह की तिथियों के कारण इस सप्ताहांत और आगे दिसंबर मध्य तक सभी बड़े होटलों के कमरे फुल हैं। होटल व्यवसायियों का कहना है कि सर्दियों में दिल्ली में प्रदूषण की वजह से पर्यटक नहीं आना चाहते, लेकिन ये बड़े आयोजन उनको सहारा दे रहे हैं।

संसद शीतकालीन सत्र 2025 का चौथा दिन,

पान मसालों के बढ़ेंगे दाम, लोकसभा में हुआ बिल पेश

नईदिल्ली, संवाददाता।

संसद के शीतकालीन सत्र का आज चौथ दिन है. दोनों सदनों की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई. लोकसभा में प्रश्नकाल संपन्न हुआ और शून्यकाल चल रहा है. संसद की कार्यवाही अब सुचारू रूप से चल रही है. सत्ता और विपक्ष के बीच एसआईआर को लेकर जारी गतिरोध दूर हो गया है. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 को विचार और पास करने के लिए पेश किया. इस बिल का मकसद नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक हेल्थ पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए रिसोर्स बढ़ाना है. निर्मला सीतारमण ने साफ किया कि पान मसाला खाने से स्वास्थ्य को नुकसान होता है. इसपर सेस लगाने से इसका दाम बढ़ेगा जिससे इसके इस्तेमाल में रूकावट पैदा होगा. इससे वसूले किए जाने वाले आय हेल्थ प्रोग्राम में खर्च किए जाएंगे. सेस के रूप में टैक्स वसूल कर इसका एक हिस्सा राज्य सरकारों को भी प्रदान किया जाएगा।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्य सभा में केंद्रीय उत्पाद (संशोधन) विधेयक, 2025 पर विचार के लिए पेश किया. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 को विचार और पास करने के लिए पेश किया. इस बिल का मकसद नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक हेल्थ पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए रिसोर्स बढ़ाना है और खास सामान बनाने या प्रोडक्शन के लिए लगाई गई मशीनों और दूसरे प्रोसेस पर और उससे जुड़े मामलों के लिए सेस लगाना है.

फिच ने भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान बढ़ाया, 7.4 प्रतिशत पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी।

गुरुवार को फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है. इससे पहले यह अनुमान 6.9 प्रतिशत था. फिच ने अपने आर्थिक विश्लेषण में कहा कि उपभोक्ता खर्च में तेजी, व्यावसायिक माहौल में सुधार और हाल ही में लागू किए गए जीएसटी सुधारों से अर्थव्यवस्था की गति तेज हुई है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही, जो अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत थी. हालांकि, फिच का अनुमान है कि मार्च 2026 के अंत तक वृद्धि दर थोड़ी धीमी रह सकती है. बावजूद इसके, पूरे वर्ष के लिए एजेंसी ने अपनी वृद्धि दर का अनुमान 7.4 प्रतिशत पर रखा है.

फिच के अनुसार, निजी उपभोक्ता खर्च इस वित्त वर्ष की वृद्धि का मुख्य स्तंभ है. इसे मजबूत वास्तविक आय, उपभोक्ता विश्वास में बढ़ोतरी और जीएसटी सुधारों से समर्थन मिला है. अक्तूबर में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति 0.3 प्रतिशत के सर्वकालिक निम्न स्तर पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य और पेय पदार्थों की कम कीमतें रही।

रूस और भारत दक्षिण एशिया की बड़ी शक्ति, रूसी रक्षा मंत्री ने दोनों देशों की दोस्ती को बताया मजबूत

संवाददाता

नई दिल्ली में भारत-रूस रक्षा सहयोग के 22वें अंतर-सरकारी आयोग की बैठक आयोजित की गई. इस दौरान रूसी रक्षा मंत्री ने आंद्रेई बेलोउसॉफ ने दोनों देशों की दोस्ती को मजबूत परंपराओं और आपसी सम्मान पर आधारित बताया. साथ ही भारत पहुंचने पर मिली गर्मजोशी भरी मेहमान नवाजी के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद भी दिया.

बेलोउसॉफने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कहा, भारत और रूस गहरी परंपराओं से जुड़े हैं. हमारी दोस्ती समय की कसौटी पर खरी उतरी है और आपसी सम्मान पर आधारित है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते रणनीतिक महत्व रखते हैं. उन्होंने आगे कहा कि भारत के साथ हमारी साझेदारी

दक्षिण एशिया की संतुलनकारी शक्ति है और वैश्विक स्थिरता के लिए भी अहम भूमिका निभाती है. रूसी रक्षा मंत्री ने आंद्रेई बेलोउसॉफ ने द्वितीय विश्व युद्ध (194145) में विजय की 80वीं वर्षगांठ से जुड़े कार्यक्रमों में भारत की भागीदारी के लिए विशेष धन्यवाद दिया. बेलोउसॉफने भारतीय नौसेना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि रूस, भारत की थलसेना, वायुसेना और नौसेना के आधुनिकीकरण में व्यापक सहयोग कर रहा है. इस अवसर पर मैं भारतीय नौसेना, उसके कमांडरों और सभी नाविकों को राष्ट्रीय नौसेना दिवस की शुभकामनाएं देता हूं. उन्होंने कहा कि भारतरूस अंतर-सरकारी आयोग रक्षा क्षेत्र में पारस्परिक लाभकारी फैसले लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. आज हम पिछले कामों की समीक्षा करके भविष्य के लिए नए लक्ष्य तय करेंगे.

रूस भारत का विश्वसनीय रक्षा साझेदार - बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस, हालिया वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद, भारत का विश्वसनीय और रणनीतिक रक्षा साझेदार है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी बैठक से दोनों देशों की विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी. यह बैठक भारत-रूस रक्षा संबंधों को और गति देने, संयुक्त उत्पादन, तकनीकी सहयोग और सैन्य आदान-प्रदान को नए स्तर पर ले जाने के लिए अहम मानी जा रही है।

गुजरात एटीएस ने पाकिस्तानी जासूसी की पोल खोली, सेना के पूर्व सूबेदार और महिला गिरफ्तार

अहमदाबाद संवाददाता

गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एक बड़े पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। एटीएस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों को संवेदनशील और सुरक्षा संबंधी जानकारी लीक करने के आरोप में एक महिला और एक पूर्व सेना सूबेदार को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान गोवा में भारतीय सेना में सूबेदार मेजर अजय कुमार सिंह और दादरा एवं नगर हवेली की रश्मणी पाल के रूप में हुई है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अजय पर पाकिस्तानी गुर्गों को वित्तीय सहायता पहुंचाने का भी आरोप है। दोनों जासूसी नेटवर्क के तहत धन जुटाने में मदद कर रहे थे।

भारत आने वाले समय में उर्जा का निर्यातक होगा : गडकरी

नई दिल्ली । एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र का आज चौथ दिन है. दोनों सदनों की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई. लोकसभा में प्रश्नकाल संपन्न हुआ और शून्यकाल चल रहा है. संसद की कार्यवाही अब सुचारू रूप से चल रही है. सत्ता और विपक्ष के बीच एसआईआर को लेकर जारी गतिरोध दूर हो गया है. रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को लोकसभा में हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 को विचार और पास करने के लिए पेश कर सकती हैं. इस बिल का मकसद नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक हेल्थ पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए रिसोर्स बढ़ाना है और खास सामान बनाने या प्रोडक्शन के लिए लगाई गई मशीनों और दूसरे प्रोसेस पर और उससे जुड़े मामलों के लिए सेस लगाना है. यूपी से सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने लोगों के गैर कानूनी तरीके से अमेरिका भेजे जाने का मुद्दा उठाया. उन्होंने पूछा कि कौन सी ऐसी संस्था जो इन लोगों को गलत तरीके से भेजते हैं. सरकार ने इन संस्थाओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि एनआईए ने ऐसी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की है।

विदेश | बंदूकों से भरी कार मिली

अमेरिका में सामूहिक गोलीबारी की योजना बना रहा पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के डेलावेयर राज्य में एक पाकिस्तान के नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि अप्रवासी अमेरिका में सामूहिक गोलाबारी की योजना बना रहा था। आरोपी की पहचान 25 वर्षीय लुकमान खान के रूप में हुई है। उसके पास से भारी मात्रा में बंदूकें, गोला-बारूद, शरीर का कवच बरामद हुआ है। पुलिस को उसके पास से एक नोटबुक भी मिली है, जिसमें सभी को मारने और शहादत हासिल करने की योजना बताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, लुकमान खान को 24 नवंबर को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब पुलिस ने उसे एक पार्क में उसके वाहन के साथ खड़ा पाया। पुलिस ने जब

उससे बात की तो संदिग्ध व्यवहार का पता चला, जिसके बाद उसकी कार की तलाशी लेने का निर्णय लिया गया। पुलिस को वाहन से एक .357 ग्लॉक पिस्तौल, ढेर सारी भरी हुई 27 राउंड की गोला-बारूद की मैगजीन और बॉडी आर्मर मिला।

पुलिस का कहना है कि उन्हें कार से एक नोटबुक भी मिली जिसमें हस्तलिखित नोट्स लिखे थे। नोटबुक में उन हथियारों का उपयोग करके उसके पूर्व स्कूल के परिसर के पुलिस विभाग पर गोलीबारी करने की साजिश का विवरण था। नोटबुक में मुख्यालय का नक्शा भी बना था और योजनाबद्ध प्रवेश-निकास बिंदु भी चिह्नित थे। नोटबुक में योजनाबद्ध गोलीबारी के बाद गिरफ्तारी से बचने के तरीके के बारे में विस्तार से बताया गया था।

पुलिस का कहना है कि खान का जन्म पाकिस्तान में हुआ था और अमेरिका में युवावस्था से रह रहा है। वह एक अमेरिकी नागरिक है। खान की गिरफ्तारी के बाद संघीय जांच ब्यूरो ने उसके विलमिंगटन स्थित घर पर छापा मारा, जहां से भी एक राइफल, दूसरी ग्लॉक पिस्तौल, मैगजीन और कवच बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि खान के पास से मिले किसी भी हथियार का पंजीकरण नहीं था। वह जेल में है।

रूस-भारत पर दुनिया की नजर : पाकिस्तान में मची खलबली

रूस-भारत रक्षा वार्ता में S-400 पर भी चर्चा संभव

नईदिल्ली,संवाददाता

मॉस्को: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान में भी चर्चा का बाजार गरम है। अमेरिका और चीन भी इस दौरे पर नजर बनाए रखे हुए हैं। एक ओर अमेरिका ने भारत पर दबाव डालने का प्रयास किया जो विफल हुआ अब पाकिस्तान को भारत - रूस के संबंधों से टेंशन हो रहा है। रक्षा सौदे पर पाकिस्तान की पूरी नजर है और घबराहट की स्थिति देखने को मिल रही है पाकिस्तान की मीडिया में। वहाँ के टीवी चैनलों में एक ही चर्चा हो रही है कि भारत और रूस मिलकर कौन सी डील करेंगे रक्षा सौदा कैसे करेंगे।

दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनकी अगवानी की है। कई वर्षों में यह पहला मौका है, जब पीएम मोदी ने किसी राष्ट्राध्यक्ष की स्वागत के लिए ऐसा किया है। ऐसे में पुतिन के भारत दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। यह दौरा भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव के बीच हो रहा है पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। वहीं, मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद किया हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि पुतिन आखिर किस रास्ते से भारत पहुंचे हैं।

रूस से भारत कैसे पहुंचे पुतिन

फ्लाइट डाटा24 के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष विमान Ilyushin Il-96-300 (कॉल साइन RSD 369) ने मॉस्को के जुकोवस्की अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। इस विमान का संचालन रूस की स्पेशल फ्लाइट स्क्वाड्रन करती है। मॉस्को से उड़ान भरने के बाद RSD 369 विमान ने कजाकिस्तान में प्रवेश किया। इसके बाद से रूसी राष्ट्रपति के विमान ने कैस्पियन सागर के ऊपर से उड़ान भरते हुए तुर्कमेनिस्तान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति का विमान अफगानिस्तान के ऊपर से उड़ान भरते हुए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से गुजरा। कुछ देर बाद यह विमान राजस्थान के रास्ते भारतीय हवाई सीमा में दाखिल हुआ।

बम की धमकी के बाद इंडिगो फ्लाइट की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

मदीना से हैदराबाद जा रहा था विमान

अहमदाबाद संवाददाता

मदीना से हैदराबाद जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट 6ई058 की बम की कथित धमकी के बाद गुरुवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. फ्लाइट में 180 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे. बताया जाता है कि एक पैसेंजर की संदिग्ध हरकत की वजह से फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. फिलहाल, सभी पैसेंजर को बाहर निकाल लिया गया है और उनकी जांच की जा रही है. साथ ही संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, फ्लाइट की जांच की जा रही है. जोन 4 के डीसीपी अतुल बंसल ने कहा कि पुलिस को सूचना मिलने के बाद, पुलिस की एक टीम एयरपोर्ट पहुंची. फिलहाल, सभी पैसेंजर को बोर्ड करके एयरपोर्ट लाया गया है. वहीं संदिग्ध व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है. फ्लाइट की अब जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

अहमदाबाद एसवीपीआई एयरपोर्ट के सूत्रों ने बताया, मदीना से हैदराबाद जा रही इंडिगो की फ्लाइट को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया, जब पायलट ने एटीसी को बम की धमकी दी।

कलेक्टर रोहित व्यास ने विद्यार्थियों संग खेला शतरंज, कल्याण आश्रम एवं महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में प्रशिक्षण सत्रों का किया निरीक्षण

छात्रों में रणनीतिक कौशल और खेल भावना बढ़ाने पर दिया बल

जशपुरनगर । जिले में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तर्कशीलता, निर्णय कौशल तथा खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चेकमेट एट जशपुर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत शतरंज प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं की श्रृंखला औपचारिक रूप से प्रारंभ हो गई है। कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर रोहित व्यास आज कल्याण आश्रम स्कूल और महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय पहुँचे। जहाँ उन्होंने प्रशिक्षण सत्रों का निरीक्षण करते हुए बच्चों के साथ शतरंज खेला और उन्हें प्रोत्साहित किया। कलेक्टर व्यास ने 9वीं के छात्र प्रिंस और 12वीं की छात्रा सेजल पंडा के साथ मैत्री खेल के दौरान विभिन्न दांवड्रूपेंच, ओपनिंग, डिफेंस व महत्वपूर्ण रणनीतियों का प्रदर्शन किया। बच्चों ने कलेक्टर के साथ खेलकर इसे अपने लिए प्रेरणादायक अनुभव बताया। कलेक्टर ने बताया कि शतरंज ऐसा खेल है जो विद्यार्थियों में एकाग्रता, धैर्य, विश्लेषणात्मक सोच और त्वरित निर्णय क्षमता को विकसित करता है। इस दौरान एसडीएम विश्वास राव मस्के, सहायक जिला खेल अधिकारी प्रदीप चौरसिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

चेकमेट एट जशपुर कार्यक्रम के तहत जिले के सभी शासकीय, अशासकीय व अनुदान प्राप्त हाई तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों में शतरंज प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताएँ चरणवार आयोजित की जा रही हैं। विद्यालयों में शतरंज खेलने वाले विद्यार्थियों का चयन प्रारंभ हो चुका है। चयनित विद्यार्थियों को 01 से 03 दिसम्बर तक खेल कालखंड में प्रतिदिन एक घंटे का प्रशिक्षण दिया गया, जिसका संचालन खेल प्रशिक्षक तथा शतरंज में दक्ष शिक्षक द्वारा किया गया। प्रशिक्षण उपरांत 04 एवं 05 दिसम्बर को विद्यालय स्तर पर नॉकआउट पद्धति से प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसमें प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को विद्यालय की एसेंबली में प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।इसके बाद 06 से 08 दिसम्बर तक विकासखंड स्तर की प्रतियोगिता सेजेस विद्यालयों में विकासखंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा आयोजित की जाएगी। इस चरण में विद्यालय स्तरीय विजेता और उपविजेता खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रतियोगिता नॉकआउट पद्धति से होगी तथा क्वार्टर फाइनल तक पहुँचने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।जिला स्तरीय प्रतियोगिता 10 दिसम्बर को :-

अंतिम चरण में 10 दिसम्बर को जिला स्तरीय प्रतियोगिता पत्थलगांव में आयोजित की जाएगी। प्रत्येक विकासखंड से शीर्ष 08 खिलाड़ी जिला स्तर पर भाग लेंगे। प्रतियोगिता नॉकआउट प्रारूप में होगी तथा अंतिम आठ स्थान प्राप्त करने वाले सभी खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

आदिवासी समाज के उत्थान और कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज रायगढ़ के बोईरदादर में आयोजित अखिल भारतीय कंवर समाज के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज की मांग पर 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन के प्रथम तल का लोकार्पण किया। समाज के वरिष्ठजनों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कंवर समाज के पुरोधाओं को नमन करते हुए कहा कि समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि विभिन क्षेत्रों में सफल बनने का माध्यम भी है। हर बेटा-बेटी को शिक्षित करना ही समाज को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समाज के उत्थान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। आदिवासियों एवं क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आव्हान भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय समाज के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर जनजातीय समुदाय के सम्मान को नई ऊंचाई दी है। उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष और पीएम जनमन कार्यक्रम की शुरूआत की है। यह आदिवासी कल्याण के क्षेत्र में आजादी के बाद सबसे बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं जनजातीय परिवारों को उपलब्ध करायी जा रही है। इन योजनाओं से जनजातीय क्षेत्रों में तेज गति से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की रजत जयंती समारोह के अवसर पर रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय का लोकार्पण किया है।

संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के वीर सेनानियों का देश के लिए योगदान जीवंत रूप में प्रदर्शित हो रहा है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे वीर नायकों के शौर्य और बलिदान से परिचित कराता रहेगा। यह हमारे आदिवासी समाज के लिए भी गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर राज्य के विकास-पीडीएस प्रणाली, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के व्यापक विस्तार का उल्लेख करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद गांव-गांव तक पहुंच मार्ग और विकास की रोशनी पहुँची है। राज्य में नक्सलवाद विकास में सबसे बड़ी बाधा रहा है, लेकिन सरकार के प्रयासों से यह अंतिम सांस ले रहा है।

सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक ने धान बैरियर का किया निरीक्षण

वाहन की कड़ाई से जांच करने तथा वाहनों का पूरा रिकॉर्ड संधारित करने के दिए निर्देश

जशपुरनगर। संवाददाता। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 15 नवंबर से सुचारू रूप से जारी है। इसी के मद्देनज़र कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में अन्य राज्यों से अवैध रूप से परिवहित एवं संग्रहित धान पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों और सभी चेकपोस्ट पर सतत एवं कठोर निगरानी रखने पर विशेष जोर दिया है। कलेक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन सक्रिय रूप से निगरानी और कार्रवाई में जुटा हुआ है। अवैध धान की आवक रोकने हेतु जिले की सीमाओं पर 21 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां निरंतर जांच की जा रही है। इसी क्रम में सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक द्वारा साईटांगरटोली धान बैरियर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित सभी कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी में उपस्थित रहने, प्रत्येक वाहन की कड़ाई से जांच करने तथा वाहनों का पूरा रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी वाहनों के टोकन की प्रतियां अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखी जाएं। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार जशपुर, मंडी सचिव तथा फूड इंस्पेक्टर उपस्थित रहे।

लाइंसेस लिमिट से ज्यादा धान पाए जाने पर जप्ती की कार्यवाही

इसके अलावा सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक द्वारा लोदाम स्थित एक फुटकर व्यापारी के गोदाम का भी निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि व्यापारी ने लाइसेंस में निर्धारित सीमा से 136 बोरी अधिक धान का भंडारण कर रखा है। टीम द्वारा मौके पर 136 बोरी धान की जप्ती बना कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई। इस दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, मंडी सचिव एवं फूड इंस्पेक्टर की टीम उपस्थित रही।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 7 दिसम्बर को

जशपुरनगर, (आरएनएस)। देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोत्तम बलिदान करने वाले अमर वीर शहीदों और सैनिकों को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले के सभी सशस्त्र सेना के सेवारत जवानों, भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि झण्डा दिवस हमारे लिए सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों के प्रति आदर व्यक्त करने के लिए एक अवसर है। कलेक्टर व्यास ने जशपुर जिले सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस अवसर पर अधिक से अधिक अंशदान देकर अपने वीर सपूतों के प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त करें। उन्होंने कहा कि हमारी सेना देश का विश्वास, गौरव और प्रेरणा है।

सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक ने धान बैरियर का किया निरीक्षण

जशपुरनगर । संवाददाता। राज्य शासन द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 15 नवंबर से सुचारू रूप से जारी है। इसी के मद्देनज़र कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में अन्य राज्यों से अवैध रूप से परिवहित एवं संग्रहित धान पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों और सभी चेकपोस्ट पर सतत एवं कठोर निगरानी रखने पर विशेष जोर दिया है। कलेक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन सक्रिय रूप से निगरानी और कार्रवाई में जुटा हुआ है। अवैध धान की आवक रोकने हेतु जिले की सीमाओं पर 21 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां निरंतर जांच की जा रही है। इसी क्रम में सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक द्वारा साईटांगरटोली धान बैरियर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित सभी कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी में उपस्थित रहने, प्रत्येक वाहन की कड़ाई से जांच करने तथा वाहनों का पूरा रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी वाहनों के टोकन की प्रतियां अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखी जाएं। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार जशपुर, मंडी सचिव तथा फूड इंस्पेक्टर उपस्थित रहे।

लाइंसेस लिमिट से ज्यादा धान पाए जाने पर जप्ती की कार्यवाही

इसके अलावा सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक द्वारा लोदाम स्थित एक फुटकर व्यापारी के गोदाम का भी निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि व्यापारी ने लाइसेंस में निर्धारित सीमा से 136 बोरी अधिक धान का भंडारण कर रखा है। टीम द्वारा मौके पर 136 बोरी धान की जप्ती बना कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई। इस दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, मंडी सचिव एवं फूड इंस्पेक्टर की टीम उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना : 20 से 23 दिसम्बर तक शिरडी, शनिसिंघनापुर, त्रयम्बेश्वर के लिए तीर्थ यात्री कर सकेंगे यात्रा

तीर्थ स्थल की यात्रा हेतु इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन 08 दिसम्बर तक आमंत्रित

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनान्तर्गत जशपुर जिले के लिए माह दिसम्बर 2025 में तीर्थ स्थल की यात्रा निर्धारित की गई है। जिसके अनुसार 20 से 23 दिसम्बर 2025 तक शिरडी, शनिसिंघनापुर, त्रयम्बेश्वर के लिए 391 तीर्थ यात्री यात्रा करेंगे। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार तीर्थ स्थल की यात्रा हेतु व्यक्तियों से आवेदन पत्र, दो प्रतियों में फोटोग्राफ (पासपोर्ट साइज), आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र की छायाप्रति साथ ही पृथक से संलग्न मेडिकल प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। वरिष्ठ नागरिक, विधवा एवं परित्यक्त महिलाएं, छत्तीसगढ़ का निवासी, शासन द्वारा उक्त निर्धारित संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के 75 प्रतिशत व नगरीय क्षेत्र के 25 प्रतिशत तीर्थ यात्रियों के लिए बीपीएल के हितग्राही 80 प्रतिशत तथा एपीएल के हितग्राही 20 प्रतिशत होगा। एपीएल के हितग्राही जो आयकर दाता की श्रेणी में न हो। इस योजना का पूर्व में लाभ नहीं लिया हो। वर्तमान या भूतपूर्व शासकीय सेवक न हो गंभीर संक्रामक रोग से ग्रसित न हो। 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जिसमें अकेले यात्रा करने हेतु आवेदन किया है, उन्हें अपने साथ एक सहायक को यात्रा में ले जाने की पात्रता होगी, जिसकी आयु 21-50 वर्ष होगी। यदि आवेदक पति व पत्नि में से किसी का नाम चुना जाता है तो उसका जीवन साथी भी यात्रा पर जा सकेगा, आवेदक के जीवन साथी की आयु 60 वर्ष से कम हो तब भी आवेदक के साथ यात्रा की जा सकती है, आवेदन करते समय ही आवेदक को बताना होगा कि उसका जीवन साथी भी उसके साथ यात्रा करने का इच्छुक है, ऐसी स्थिति में उक्त जीवन साथी का आवेदन भी संलग्न करना होगा, यदि सहायक को यात्रा पर साथ ले जाने की पात्रता है, तो उस सहायक का आवेदन भी जमा किया जावेगा। चयनित यात्री के यात्रा पर नहीं जाने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित व्यक्ति को यात्रा पर भेजा जा सकेगा। केवल यह व्यक्ति ही जिसका चयन किया गया है, यात्रा पर जा सकेगा, वह अपने साथ अन्य किसी अनाधिकृत व्यक्ति को नहीं ले जा सकेगा एवं चयन उपरांत वह व्यक्ति यात्रा पर न जाने की स्थिति में अपने स्थान पर अन्य किसी दूसरे व्यक्ति को नहीं भेज सकेगा। आवेदक से आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेज सहित 08 दिसम्बर 2025 सायं 050:00 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे।

गरियाबंद में छुरा शराब दुकान मामले को लेकर भाजपा नेता ने की शिकायत

सहायक आबकारी अधिकारी ने आरोपों को किया खारिज

सहायक जिला आबकारी अधिकारी लालजी दीवान ने सभी आरोपों को निराधार बताया

गरियाबंद, । जिले में छुरा शराब दुकान में मिलावटी शराब की बिक्री और कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर भाजपा नेता ने आबकारी मंत्री और आयुक्त आबकारी को शिकायत भेजी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सहायक जिला आबकारी अधिकारी लालजी दीवान स्थानीय संबंधों का फायदा उठाकर नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

शिकायत पत्र में कहा गया है कि शराब में पानी मिलाकर इसे गांव-गांव कोचियों के माध्यम से बेचा जा रहा है। इसके अलावा, अनुभवी कर्मचारियों को हटाकर अपने परिचितों और रिश्तेदारों को बिना उचित नियुक्ति प्रक्रिया के दुकान में तैनात किया गया है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि इस कार्रवाई में प्लेसमेंट एजेंसी भी शामिल है। शिकायतकर्त्ता ने बताया कि नियमों के विपरीत नियुक्त किए गए कर्मचारी न तो यूनिफार्म पहनते हैं और न ही परिचय बिल्ला रखते हैं, फिर भी वे लाइसेंसी दुकानों में संचालन करते हैं।

भाजपा नेता तरुण ठाकुर ने बताया कि लालजी दीवान सरकड़ा क्षेत्र के निवासी हैं और उनकी पत्नी सरपंच भी हैं, जिससे स्थानीय पकड़ के कारण वे अपने पद का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने सरकारी वाहन के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। ठाकुर ने कहा कि उनके पास जांच के दौरान प्रस्तुत करने के लिए वीडियो और फोटो जैसे साक्ष्य मौजूद हैं।

इस पूरे मामले में सहायक जिला आबकारी अधिकारी लालजी दीवान ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि न तो उनके किसी रिश्तेदार को नौकरी दी गई है और न ही कोई मिलावटी शराब की बिक्री होती है। उनका कहना है कि आरोप पूरी तरह से झूठे और बेबुनियाद हैं।

विद्यार्थियों की तर्कशक्ति बढ़ाने जिले में चेकमेट एट जशपुर कार्यक्रम हुआ शुरू

कलेक्टर रोहित व्यास ने विद्यार्थियों संग खेला शतरंज

कल्याण आश्रम एवं महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में प्रशिक्षण सत्रों का किया निरीक्षण

0 छात्रों में रणनीतिक कौशल और खेल भावना बढ़ाने पर दिया बल

जशपुरनगर। जिले में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तर्कशीलता, निर्णय कौशल तथा खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चेकमेट एट जशपुर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत शतरंज प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं की श्रृंखला औपचारिक रूप से प्रारंभ हो गई है। कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर रोहित व्यास आज कल्याण आश्रम स्कूल और महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय पहुँचे। जहाँ उन्होंने प्रशिक्षण सत्रों का

निरीक्षण करते हुए बच्चों के साथ शतरंज खेला और उन्हें प्रोत्साहित किया। कलेक्टर व्यास ने 9वीं के छात्र प्रिंस और 12वीं की छात्रा सेजल पंडा के साथ मैत्री खेल के दौरान विभिन्न दांवड्रूपेंच, ओपनिंग, डिफेंस व महत्वपूर्ण रणनीतियों का प्रदर्शन किया। बच्चों ने कलेक्टर के साथ खेलकर इसे अपने लिए प्रेरणादायक अनुभव बताया। कलेक्टर ने बताया कि शतरंज ऐसा खेल है जो विद्यार्थियों में एकाग्रता, धैर्य, विश्लेषणात्मक सोच और त्वरित निर्णय क्षमता को विकसित करता है। इस दौरान एसडीएम विश्वास राव मस्के, सहायक जिला खेल अधिकारी प्रदीप चौरसिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

तीन चरणों में होगी प्रतियोगिता, विजेता होंगे पुरस्कृत :- चेकमेट एट जशपुर कार्यक्रम के तहत जिले के सभी शासकीय, अशासकीय व अनुदान प्राप्त हाई तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों में शतरंज प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताएँ चरणवार आयोजित की जा रही हैं। विद्यालयों में शतरंज खेलने वाले विद्यार्थियों का चयन प्रारंभ हो चुका है। चयनित विद्यार्थियों को 01 से 03 दिसम्बर तक खेल कालखंड में प्रतिदिन एक घंटे का प्रशिक्षण दिया गया, जिसका संचालन खेल प्रशिक्षक तथा शतरंज में दक्ष शिक्षक द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना :

20 से 23 दिसम्बर तक शिरडी, शनिसिंघनापुर, त्रयम्बेश्वर के लिए तीर्थ यात्री कर सकेंगे यात्रा

तीर्थ स्थल की यात्रा हेतु इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन 08 दिसम्बर तक आमंत्रित

जशपुरनगर, संवाददाता

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनान्तर्गत जशपुर जिले के लिए माह दिसम्बर 2025 में तीर्थ स्थल की यात्रा निर्धारित की गई है। जिसके अनुसार 20 से 23 दिसम्बर 2025 तक शिरडी, शनिसिंघनापुर, त्रयम्बेश्वर के लिए 391 तीर्थ यात्री यात्रा करेंगे। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार तीर्थ स्थल की यात्रा हेतु व्यक्तियों से आवेदन पत्र, दो प्रतियों में फोटोग्राफ (पासपोर्ट साइज), आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र की छायाप्रति साथ ही पृथक से संलग्न मेडिकल प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। वरिष्ठ नागरिक, विधवा एवं परित्यक्त महिलाएं, छत्तीसगढ़ का निवासी, शासन द्वारा उक्त निर्धारित संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के 75 प्रतिशत व नगरीय क्षेत्र के 25 प्रतिशत तीर्थ यात्रियों के लिए बीपीएल के हितग्राही 80 प्रतिशत तथा एपीएल के हितग्राही 20 प्रतिशत होगा। एपीएल के हितग्राही जो आयकर दाता की श्रेणी में न हो। इस योजना का पूर्व में लाभ नहीं लिया हो। वर्तमान या भूतपूर्व शासकीय सेवक न हो गंभीर संक्रामक रोग से ग्रसित न हो। 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जिसमें अकेले यात्रा करने हेतु आवेदन किया है, उन्हें अपने साथ एक सहायक को यात्रा में ले जाने की पात्रता होगी, जिसकी आयु 21-50 वर्ष होगी। यदि आवेदक पति व पत्नि में से किसी का नाम चुना जाता है तो उसका जीवन साथी भी यात्रा पर जा सकेगा।

अगले महीने रायपुर में होगा साहित्य उत्सव, देश भर के 100 से अधिक साहित्यकार जुटेंगे

साहित्य उत्सव से छत्तीसगढ़ को मिलेगी नई पहचानफ़ - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

रायपुर। नए वर्ष की शुरुआत के साथ छत्तीसगढ़ एक बार फिर साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर होने को तैयार है। आगामी महीने रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन नवा रायपुर में 23 से 25 जनवरी तक होगा, जिसमें देश भर से 100 से अधिक प्रतिष्ठित साहित्यकार शामिल होंगे। राज्य स्थापना के रजत वर्ष पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा इस आयोजन की परिकल्पना की गई थी। उनकी यह परिकल्पना अब साकार रूप लेने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में रायपुर साहित्य उत्सव के लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शंशाक शर्मा, जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, वरिष्ठ साहित्यकार श्री सुशील त्रिवेदी, डॉ. चितरंजन कर, श्री गिरीश पंकज, डॉ. संजीव बक्शी, श्री प्रदीप श्रीवास्तव और श्रीमती शकुंतला तरार उपस्थित थे।

लोगो अनावरण के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर पूरा प्रदेश रजत महोत्सव मना रहा है, और रायपुर साहित्य उत्सव उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव न केवल छत्तीसगढ़ को, बल्कि पूरे देश के मूर्धन्य साहित्यकारों को एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहाँ उनके अनुभव, विचार और रचनात्मक धारा से अवगत होने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ को साहित्यिक जगत में एक नई पहचान प्रदान करेगा तथा जनसमुदाय को साहित्य, लेखन और पठन-पाठन की ओर प्रेरित करेगा। साथ ही यह उत्सव राज्य की विकास योजनाओं के लिए भी सकारात्मक सामाजिक चेतना और विमर्श का मंच बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने किया उत्सव के लोगो का अनावरण

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संकल्पना पर आधारित इस आयोजन की व्यापक कार्ययोजना मात्र दो माह में तैयार की गई है। यह तीन दिवसीय महोत्सव 23, 24 एवं 25 जनवरी 2026 को जनजातीय संग्रहालय के समीप आयोजित होगा।

इस उत्सव में कुल 11 सत्र शामिल होंगे। इनमें 5 समानांतर सत्र, 4 सामूहिक सत्र, और 3 संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें साहित्यकारों एवं प्रतिभागियों के बीच सीधा संवाद और विचार-विमर्श होगा।

अगले महीने आयोजित होने जा रहे रायपुर साहित्य उत्सव के लोगो में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को एक प्रभावशाली प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। यह लोगो न सिर्फ राज्य की पहचान को दर्शाता है, बल्कि बस्तर की जैव-विविधता, जनजातीय परंपराओं, और छत्तीसगढ़ की आत्मा माने जाने वाले सल्फी पेड़ की सांस्कृतिक महत्ता को भी सशक्त रूप में उजागर करता है।लोगो में सल्फी के पेड़ को छत्तीसगढ़ राज्य के नक्शे का रूप देकर यह संदेश दिया गया है कि राज्य की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य सदियों से इसी भूमि की जड़ों से पोषित होते आए हैं। सल्फी का यह पेड़ आदिकाल से चली आ रही पौराणिक परंपराओं, भाईचारे और एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। जनजातीय समाज के जीवन में गहराई से रचे-बसे इस पेड़ को साहित्य उत्सव के लोगो में शामिल करने से यह संदेश भी मिलता है कि छत्तीसगढ़ का जनजातीय साहित्य, लोकविश्वास और पारंपरिक ज्ञान-धारा आज भी समकालीन साहित्यिक प्रवाह के केंद्र में है।

विराट कोहली को पहली बार सामने से देखा, रोने लगी लड़की

रायपुर।भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 दिसंबर को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वनडे मैच खेला जाएगा। दोनों टीमें सोमवार को रांची से एक ही चार्टर्ड फ्लाइट से रायपुर पहुंचीं।एयरपोर्ट पर रोहित शर्मा, विराट कोहली को देखने भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं निजी होटल पहुंचने पर विराट कोहली को अपने इतने करीब देखकर एक फैन रोने लगी। उसने कोहली को गुलाब भी दिया।रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं। इसके बाद शाम 5.30 बजे से भारतीय टीम प्रैक्टिस करने उतरे हुए है। बता दें कि प्रैक्टिस के दौरान आम दर्शकों की एंट्री बैन है, जबकि क्ष्ष्टद्ध के कार्डधारी ही स्टेडियम में प्रवेश कर सकेंगे। दोनों टीमों के लिए 30 स्थानीय खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है।प्रैक्टिस के दौरान इन खिलाड़ियों को रोहित-विराट के सामने गेंद डालने का मौका मिलेगा। वहीं क्क्रू मोदी की मौजूदगी में हुई ष्ठत्वक्क-ढ्ढत्वक्क कॉन्फ्रेंस में तैनात 2 हजार पुलिसकर्मियों को रोक लिया गया है। वनडे मैच के लिए तैनाती की गई है। वहीं 30 नवंबर को

गांजा परिवहन करते एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार, पूछताछ जारी

रायपुर । जिले की तिल्दा नेवरा थाना पुलिस ने अवैध रूप से गांजा परिवहन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 2 किलो 770 ग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 02.12.2025 को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि मोसा. अपाचे क्रमांक सीजी 04 एन.जेड. 9660 का चालक अवैध मादक पदार्थ परिवहन कर तिल्दा की ओर आ रहा है जिसे थाना तिल्दा नेवरा पुलिस के द्वारा चलित नाकेबन्दी के माध्यम से रूकवाकर विधिवत् कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुये तलाशी लेने पर आरोपी के पास से कुल वजन 02 किलो 770 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसका अनुमानित कीमत 45 हजार रूपये एवं घटना में प्रयुक्त वाहन को जप्त किया गया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध थाना तिल्दा नेवरा पुलिस द्वारा धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट कायम किया गया। आरोपी गोलू देवार को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया।

धमतरी जिले में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार

धमतरी। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के अंतर्गत धमतरी जिला प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। जिले के 11 उपार्जन केंद्रों में किसानों द्वारा उत्साहपूर्वक धान विक्रय किया जा रहा है। अब तक कुल 21,660 किसानों से 10,06,755.20 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

खरीदे गए धान के एवज में किसानों को लगभग ?2,38,85,73,000 की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे किसानों के खाते में समय पर भुगतान सुनिश्चित हो रहा है।केंद्रवार खरीदी की स्थिति में नगरी, कुरूद, मगरलोड, धमतरी और कोर्रा केंद्र प्रमुख रूप से आगे हैं। नगरी में 1,74,666.40 क्विंटल, कुरूद में 1,19,246.40 क्विंटल, मगरलोड में 1,29,231.20 क्विंटल तथा धमतरी में 1,32,826.00 क्विंटल धान उपार्जित किया गया है। वहीं दरबा, मरौद, सबलपुर, नारी, भखारा और करेली केंद्रों में भी खरीदी कार्य सतत रूप से जारी है।

नवाचार केवल प्रयोगशालाओं और कक्षाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे समाज से जोड़ना होगाः श्री डेका

रायपुर। नवाचार केवल प्रयोगशालाओं और कक्षाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे समाज से जोड़ना होगा। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी) के क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उक्त बातें कहीं। इनोवेशन सेल, ऑल इंडिया तकनीकी शिक्षा परिषद शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आज शंकराचार्य व्यावसायिक प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में यह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें राज्यपाल श्री डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री डेका ने कहा कि यह सम्मेलन न केवल इस संस्थान के लिए बल्कि हमारे राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत की राष्ट्रीय नवाचार यात्रा में छत्तीसगढ़ की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प, कृषि, वनोपज और जनजातीय ज्ञान की भूमि है। सही रूप में किया गया नवाचार हमारी स्थानीय शक्तियों का मूल्य संवर्धन करके उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने योग्य और आर्थिक व तकनीकि रूप से उन्नत बनाता है, इसमें हमारे युवाओं की महती भूमिका है। एक छोटा सा नवाचार मानव की बड़ी जरूरतों को पूरा कर सकता है।

संस्थान नवाचार परिषद के क्षेत्रीय सम्मेलन का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

श्री डेका ने कहा कि 21वीं सदी के विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं। इस सदी में इंटरनेट सबसे बड़ी खोज है। श्री डेका ने कहा कि सतत् विकास आज की सबसे बड़ी जरूरत है और यह विज्ञान से ही संभव है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, माइक्रो प्लास्टिक और मधुमेह की बीमारी को वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि युवा विद्यार्थी इस क्षेत्र में नवाचार कर इसका समाधान ढूंढ़ सकते हैं, जिसके लिए वे अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप भारत के भविष्य के पेशेवर और भविष्य निर्माता हैं। केवल लाभ पाने के लिए नहीं बल्कि उद्देश्य के लिए नवाचार करें। अपने विचारों को वास्तविक समस्याओं का समाधान करने की दिशा में आगे बढ़ाएं। असफलता से न डरें क्योंकि हर असफलता आपको बेहतर प्राप्त करना सिखाती है। युवाओं का साहस, जिज्ञासा और प्रतिबद्धता वर्ष 2047 के भारत को परिभाषित करेगी और भारत 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित एआईसीटीई नई दिल्ली के उपनिदेशक डॉ. निखिल कांत ने सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। एसएसआईपीएमटी भिलाई के चेयरमैन श्री आई पी मिश्रा ने भी अपना संबोधन दिया।

बटन चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेन्द्र जायसवाल के मार्गदर्शन में लगातार अपराध व अपराधियों के अवैधानिक कृत्यों में अंकुश लगाने व उनके विरुद्ध त्वरित कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में दिनांक 02/12/2025 को थाना कोनी पुलिस को जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त् हुई कि ग्राम घुटकु तालाब के पास रोड किनारे जय लोनिया नामक व्यक्ति अपने हाथ में लोहे का धारदार बटन चाकू लहराकर आने जाने वाले लोगो को डरा धमका कर दहशत फैला रहा है कि सूचना तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु हमराह स्टाफ ,गवाह के रवाना होकर मुखबीर के बताये स्थान में जाकर घेराबंदी कर आमजनों को भयभीत करने वाले जय लोनिया को पकड़ा गया पुछताछ करने पर उसने अपना पूरा नाम पता जय लोनिया पिता होश राम लोनिया उम्र-19 वर्ष निवासी ग्राम घुटकु थाना कोनी जिला बिलासपुर का रहने वाला बताया जिससे गवाहों के समक्ष एक लोहे का धारदार बटन चाकू जिसकी कुल लम्बाई 09 इंच, बरामद किया गया।

कलेक्टर गाइडलाइन की अव्यावहारिक वृद्धि पर सांसद का प्रहार

जनभावनाओं का सम्मान ही लोकतंत्र का आधार सांसद बृजमोहन

जनता पर आर्थिक बोझ नहीं होने देंगेः सांसद बृजमोहन का गाइडलाइन दरों में 100-800 प्रतिशत वृद्धि के खिलाफ CM को पत्र

रायपुर । छत्तीसगढ़ की जनता के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फि र अपनी दृढ़, संवेदनशील और जननायक शैली का परिचय दिया है। प्रदेश में भूमि खरीदी-बिक्री के लिए कलेक्टर गाइडलाइन दरों में 100 से 800 प्रतिशत तक की वृद्धि पर आपत्ति जताते हुए, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को विस्तृत पत्र लिखकर इस निर्णय को तत्काल स्थगित कर पुनर्विचार करने की मांग की है। अपने पत्र में अग्रवाल ने लिखा है कि, प्रदेश में बिना किसी जन-परामर्श, बिना किसी वास्तविक मूल्यांकन और बिना सामाजिक-आर्थिक प्रभावों की समीक्षा के कलेक्टर गाइड लाइन दरों में अनियोजित वृद्धि कर दी गई है। इससे पूरे प्रदेश में अनेक वर्गों में असंतोष उफान पर है। किसान, छोटे व्यवसायी, कुटीर-उद्यमी, मध्यम वर्ग, छोटे रियल एस्टेट क्षेत्र और निवेशक - सभी इस निर्णय के खिलाफ है व्यापक विरोध को देखते हुए यह निर्णय किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। सांसद अग्रवाल ने स्पष्ट कहा है कि यह वृद्धि ''इज ऑफलिविंग'' और ''इज ऑफ डूइंग बिजनेस'' दोनों के विपरीत है और प्रदेश की आर्थिक रीढ़ पर सीधी चोट है। उन्होंने लाभांडी और निमोरा जैसे गाँवों के चौंकाने वाले उदाहरण प्रस्तुत कर बताया कि किस प्रकार बिना किसी वास्तविक मूल्यांकन के गाइडलाइन दरों में 725% और 888% तक की वृद्धि कर दी गई है, जो किसी भी आर्थिक न्याय का पालन नहीं करती। साथ ही, नवा रायपुर के ग्रामीण क्षेत्रों को बिना आवश्यक सुविधाएँ विकसित किए नगरीय क्षेत्र घोषित करने पर भी उन्होंने गंभीर सवाल उठाए हैं। सांसद अग्रवाल का कहना है कि, गाइड लाइन दर में वृद्धि पर दावा किया जा रहा है कि किसानों को भूमि अधिग्रहण में अधिक मुआवजा मिलेगा। परन्तु वस्तुस्थिति बिल्कुल अलग है। भूमि का केवल 1% हिस्सा ही अधिग्रहण में आता है, किंतु 99प्रतिशत जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। गाइडलाइन मूल्य 100प्रतिशत बढ़ाने के बाद भी पंजीयन शुल्क 4प्रतिशत बनाए रखना जनता के साथ अन्याय है, जिसे घटाकर पुनः 0.8प्रतिशत किया जाना चाहिए। अपने पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि, 20/11/2025 को लागू नई गाइडलाइन वृद्धि को तत्काल स्थगित किया जाए। पूर्ववत गाइडलाइन पुनः लागू की जाए साथ ही स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति का गठन कर वास्तविक बाजार मूल्यांकन कराया जाए। श्री अग्रवाल ने नवा रायपुर में सम्मिलित ग्रामीण क्षेत्रों को नगरीय क्षेत्र से करने तथा पंजीयन शुल्क 4प्रतिशत से घटाकर 0.8प्रतिशत किया जाए।

राजभवन में मनाया गया 6 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस

रायपुर । राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में राजभवन में 6 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डेका ने कहा कि राज्यों की विविधताओं को राष्ट्रीय एकता एक सूत्र में पिरोती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल रमेन डेका ने कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, उत्तराखण्ड, लक्षद्वीप, और पुडुचेरी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि भाषाओं, वेशभूषा, खान-पान, कला और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद हमारी आत्मा एक है। यही विविधता भारत को विश्व में अद्वितीय बनाती है। केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल ने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक ईकाई नहीं है बल्कि हजारों वर्षो की सभ्यता संस्कृति, परंपरा और मूल्यों का जीवंत संगम है। डेका ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक राज्य प्राचीन विरासत और आधुनिक तकनीक का संगम है। बीते युग में विजय नगर साम्राज्य ने कला और स्थापत्य को ऊंचाई दी।

'पाञ्चजन्य कॉनक्लेव – दंतेश्वरी डायलॉग' में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने साझा किए

रायपुर। राजधानी नया रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित पाञ्चजन्य कॉनक्लेव 'दंतेश्वरी डायलॉग' में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल, बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्रों में विकास, नक्सल उन्मूलन, औद्योगिक निवेश, महिला सशक्तिकरण तथा नई टेक्नोलॉजी आधारित विकास मॉडल सहित अनेक विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न सवालों के सरल और स्पष्ट उत्तर देकर सरकार की योजनाओं और आगामी रोडमैप की जानकारी दी।

महिला सशक्तिकरण सबसे बड़ी उपलब्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो वर्षों में महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा माध्यम बनी है।70 लाख महिलाओं को हर महीने

1000 रुपए की सम्मान राशि दी जा रही है, जिससे परिवारों में पोषण, बच्चों की शिक्षा और घरेलू जरूरतों में सकारात्मक बदलाव आया है।

टेक-ड्रिवन छत्तीसगढ़ ङ्क नई औद्योगिक नीति में विशेष प्रावधान

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में नई उद्योग नीति लागू की गई है, जिसमे रोजगार को विशेष महत्व दिया गया है। साथ ही नई औद्योगिक नीति में निवेश को आकर्षित करने के लिए आकर्षक अनुदान,सिंगल विंडो सिस्टम,250 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार को भी शामिल किया गया है। इसी का परिणाम है कि अभी तक लगभग 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। नई औद्योगिक नीति में आईटी, एआई, ग्रीन टेक व सेमीकंडक्टर जैसी नई पीढ़ी की इंडस्ट्री को प्रोत्साहन दिया गया है।नवा रायपुर को आईटी हब, सेमीकंडक्टर प्लांट, और एआई डेटा सेंटर पार्क के रूप में विकसित करने का काम जारी है।बस्तर का विकास ङ्क स्थानीय पहचान और आधुनिक अवसरों का संतुलित मॉडलमुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर का विकास स्थानीय संस्कृति के संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के संतुलन के आधार पर होगा। कृषि, सिंचाई, जैविक खेती, वनोपज प्रसंस्करण, पर्यटन और स्थानीय रोजगार पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

वनोपज संग्राहकों के लिए बेहतर सुविधा

प्रधानमंत्री वनधन योजना और वनोपज आधारित प्रसंस्करण के विस्तार से संग्राहकों की आय में वृद्धि हो रही है।

नक्सलवाद के विरुद्ध 'सामाजिक मनोवैज्ञानिक मोड़'मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली जाकर नक्सल पीड़ितों द्वारा अपनी बात रखना ऐतिहासिक कदम है। इससे बस्तर के लोगों में बड़ा आत्मविश्वास आया और देश के सामने माओवादी हिंसा का वास्तविक चेहरा उजागर हुआ।मतांतरण पर सख्त कार्रवाई और सांस्कृतिक सुरक्षा पर जोरउन्होंने कहा कि प्रलोभन या दबाव से होने वाले मतांतरण रोकने के लिए लगातार कड़ी कार्रवाई हो रही है।इसके लिए विधानसभा में विधेयक लाने की भी तैयारी की जा रही है।जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य व डिजिटल कनेक्टिविटी में तेजी से सुधारमुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर और सरगुजा में मोबाइल टावरों की स्थापना, स्कूलों का पुनः संचालन और युक्तियुक्तकरण के माध्यम से शिक्षा गुणवत्ता में तेजी से वृद्धि हुई है।नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और सुविधाओं का विस्तारनियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, चष्टष्ट कार्ड, बिजली, पानी, सड़क और अन्य सुविधाएँ तेजी से उपलब्ध कराई जा रही हैं।दो वर्षो में गारंटियों का सफल क्रियान्वयनमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित अधिकांश गारंटियाँ पूरी की जा चुकी हैं। इनमें 18 लाख आवास स्वीकृत,किसानों को बेहतर समर्थन मूल्य,महतारी वंदन योजना,तेंदूपत्ता संग्राहकों की बढ़ी हुई राशि,भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता आदि शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस हमें यह सिखाता है कि सक्षम समाज वही है जो सबको साथ लेकर चलता है – मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है। छत्तीसगढ़ सरकार दिव्यांगजनो के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस समाज को यह समझने का अवसर देता है कि दिव्यांगजन किसी भी दृष्टि से कमतर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और प्रगतिशील समाज वही है जो सभी को बराबरी के अवसर प्रदान करे और किसी भी व्यक्ति को उसकी शारीरिक सीमाओं के कारण पीछे नहीं रहने दे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ, सहायता उपकरण, कौशल-विकास, रोजगार अवसर, सामाजिक सुरक्षा और अनुकूल वातावरण निर्माण के लिए अनेक योजनाएँ सुदृढ़ रूप से लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में समान और सशक्त भागीदारी दिलाने का है, ताकि वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ राज्य के विकास में सक्रिय योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री ने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि दिव्यांगजनों के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ और उनके साथ सम्मानजनक, सहयोगपूर्ण और संवेदनशील व्यवहार अपनाएँ। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन तभी वास्तविक रूप से सशक्त होंगे जब समाज और शासन मिलकर ऐसी परिस्थितियाँ तैयार करें, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस हमें समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का संदेश देता है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

मुनीर की तानाशाही से चलता पाकिस्तान

नवाज़ शरीफ और शहबाज़ शरीफ आसिम मुनीर को किसी भी हालत में तानाशाह बनने से रोकना चाहते हैं। जैसे ही बिलाल के इस्तीफे की खबर आई, पूरे पाकिस्तान में हलचल मच गई। शहबाज़ हुकूमत ने इसी साल बिलाल बिन साक़िब को बड़े शोर-शराबे के साथ पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल का सीईओ बनाया था। उनको प्रधानमंत्री का स्पेशल असिस्टैंट नियुक्त करके कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया था। इसके बाद बिलाल बिन साक़िब ने पाकिस्तान में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के क़रीबी लोगों को बुलाया, लाहौर में क्रिप्टो conference की। इस प्रोग्राम में ट्रंप के golf budd4 स्टीव विटकॉफ के बेटे और डॉनल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप की कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया था।

जिंदा हैं तो क्या खुशी ।

जिंदा हैं तो क्या खुशी
रहेंगे नहीं तो क्या ग़म होगा
जिस पल हमारी सांस थमेगी,
एक निशान सा कम होगा।

जीवन तो बहता एक दरिया ,
कभी शांत, कभी खुश बेइंतहां
किसी के होंठों पर मुस्कान बनें,
जीने का सार्थक हर करवां।

हम चलें, भले ही थककर गिरें,
रुकना मगर कभी सीखा नहीं,
दूसरों के दुख में दीप जलें,
नही रुकेगी अंधेरी रात कहीं।
नाम से ज्यादा काम जरूरी,
शब्दों से ज्यादा कर्म प्रहरी
आँसू पोंछें किसी के, है अरमान
जीवन का यही सच्चा सम्मान।

खुद के लिए जीना क्या जीना
जो दूसरों में जीवन भर दें,
गिनती में भले न आएं,
अमरत्व के पल भर दें।

जिंदा रहकर यदि
किसी के काम न आए,
तो जीवन का क्या मोल ,
मरकर भी दिलों में रहें,
तो जीवन अमिट,अनमोल।

चलो किसी थकी आंखों में,
आशा की मुस्कान जगाएं,
चलो किसी टूटी आवाज़ में,
नई सुबह का गीत सजाएं।

जिंदा हैं तो कोई खुशी नहीं,
रहेंगे नहीं तो क्या ग़म होगा
जीवन दूसरों को रोशनी दे जाए,
मृत्यु का गौरव उस पल होगा।
संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

पुतिन की भारत यात्रा : नयी विश्व राजनीति की आहट

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है।

भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को ध्रुवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुयू-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है।

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रूवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल्स निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है।

भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है।

भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है- कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझा कृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं।

पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रूवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है-स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया।

इस मुलाकात से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अतः कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्जा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरुआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था के निर्माता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य।

यह निजी विचार है।

विपक्ष के लिए गहरे आत्म-मंथन का विषय

सत्येन्द्र रंजन

अब भविष्य सिर्फ उन शक्तियों का है, जो राजनीति की नई समझ और परिभाषा अपना सकें। जो राजनीति की ऐसी समझ अपना सकें, जिसमें चुनाव लड़ना ही एकमात्र गतिविधि ना हो। जिसमें उद्देश्य आधारित संगठन, संघर्ष, और रचनात्मक कार्यक्रम समान रूप से महत्त्वपूर्ण हों। दरअसल, ऐसी राजनीति जो करेगा, दीर्घकाल में उसके लिए ऐसा जन समर्थन अपने-आप तैयार होगा, जिससे उसे चुनावी सफलता मिले।

किसी राज्य में चुनाव हो, तो इस दौर में वहां मंच सज्जा में कई समान पहलू मौजूद रहते हैं और ऐसा बिहार में भी था। बाकी बातें स्थानीय समीकरणों और परिस्थितियों से तय होती हैं, हालांकि उनमें भी कुछ समानताएं ढूंढी जा सकती हैं। तो कुल मिलाकर बिहार में जो चुनाव नतीजा सामने आया, वह पहले से जारी ट्रेंड के काफी कुछ अनुरूप है। साथ ही इन नतीजों ने उस रुझान को और आगे बढ़ाने में अपने तईं कुछ खास योगदान किया है।

ये रुझान भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान एवं भविष्य के बारे में कुछ ठोस संकेत देते हैं-

आइए, इसकी विस्तार से चर्चा करते हैं।

मंच के नेपथ्य में जो बातें आज हर जगह मौजूद रहती हैं, उनमें सबसे महत्त्वपूर्ण है चुनाव प्रणाली को लेकर पैदा हुए संदेह। बिहार का चुनाव आते-आते यह पहलू अत्यधिक गंभीर हो गया। इसमें बड़ा योगदान इस चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढुक्र) कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले का रहा। कई ऐसे कारण हैं, जो सघन होकर अब चुनाव की पूरी प्रक्रिया पर संदेह का साया डाल रहे हैं। उनमें प्रमुख हैः

मतदाता सूची, जिसमें शामिल और निकाले गए नामों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है।

मतदान के दिन आखिरी घंटों में असामान्य रूप से अधिक मतदान की शिकायत लगातार आ रही है।

कई जगहों पर कुछ, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के मतदान की राह में जानबूझ कर रुकावट खड़ा करने की कथित कोशिशों के इल्जाम लगते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर की चर्चाएं हर बार गर्म होती हैं। विपक्ष की मांग के मुताबिक वीवीपैट पर्चियों की गिनती ना करने के निर्वाचन आयोग के फैसले से विपक्षी खेमों में यह संदेह और गहराया है।

मतगणना के दौरान जहां हार-जीत का अंतर कम हो, वहां प्रशासनिक हेरफेर से परिणाम को प्रभावित करने के आरोप कई चुनावों में लगे हैं। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल ने ऐसे संगीन आरोप लगाए थे। बाद में उत्तर प्रदेश में भी ऐसे मामले चर्चित हुए।

चुनाव कार्यक्रम तय करने में निर्वाचन आयोग की भूमिका संदिग्ध होती गई है। विपक्षी दलों का इल्जाम है कि चुनाव कार्यक्रम केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की सुविधा से तय किए जाते हैं।

आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू करने में कथित भेदभाव की शिकायतें आती हैं। ऐसे मामले चर्चित हुए हैं, जब एक जैसे मामलों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं पर आचार संहिता लागू में निर्वाचन आयोग ने अलग पैमाने अपनाए।

निर्वाचन आयोग का भेदभाव बिहार के ताजा चुनाव में एक अलग मुकाम पर पहुंचा, जब महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये ट्रांसफर करने की प्रक्रिया चुनाव के दौरान भी चलती रही। पहले कई चुनावों में निर्वाचन आयोग ने आचार संहिता लागू होने के दौरान ऐसी योजनाओं के अमल पर रोक लगा दी थी, लेकिन बिहार में इसे पहले से चल रही योजना बता कर जारी रहने दिया गया।

ये वो बातें हैं, जो मंच पर घटती दिखती हैं। लेकिन पृष्ठभूमि में कम-से-कम दो और पहलू हैं, जिनसे चुनावी मुकाबले का धरातल सत्ता पक्ष के हक में झुकता चला गया है। इनमें एक तो उसके पास धन की अकूत उपलब्धता है, जो पूंजीपति वर्ग के समर्थन से उसे प्राप्त हुआ है। दूसरी बात का संबंध भी इस वर्ग के समर्थन से जुड़ा है। चूंकि मेनस्ट्रीम मीडिया का स्वामित्व पूंजीपतियों के हाथ में ही है, इसलिए मीडिया का अनवरत समर्थन सत्ता पक्ष को मिला रहता है। शिकायत है कि चुनाव हों या नहीं, हर वक्त मेनस्ट्रीम मीडिया सत्ता पक्ष के नजरिए से नैरेटिव प्रचारित करने में जुटा रहता है। फिर सोशल मीडिया पर भी सत्ता पक्ष का बेहिसाब प्रभाव है।

इन तमाम वो पहलू हैं, जिनकी वजह से भारत में चुनावी धरातल समान नहीं रह गया है। चुनाव कोई भी हो, उसमें ये धरातल भाजपा के पक्ष में पहले से झुका रहता है। उस धरातल पर जब दूसरी पार्टियां मुकाबले के लिए उतरती हैं, तो उनके सामने एक और चुनौती सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से बने माहौल से निपटने की होती है। यह ध्रुवीकरण नफरत भरी सांप्रदायिक ध्वनियों के लगातार गूंजते रहने से बनी हुई है। भाजपा और उसके साथी संगठन चुनावों के वक्त पर इन ध्वनियों का वॉल्यूम कुछ और तेज कर देते हैं।

एक समय विपक्षी पार्टियों को लगता था कि जातीय ध्रुवीकरण से सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का मुकाबला कर लेंगी। लेकिन अब उनका यह हथियार भी भोथरा हो चुका है। इसकी वजह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ/ भाजपा की कथित सोशल इंजीनियरिंग है, जिसके तहत उन्होंने बहुजन, ओबीसी या दलित पहचान को खंडित कर दिया है। इन समूहों के अंदरूनी अंतर्विरोधों को बढ़ाते हुए अलग-अलग जातियों को प्रतिनिधित्व देकर उन्होंने जातीय पहचान की राजनीति को अपनी थाती बना लिया है। परिवार केंद्रित हो जाने और कुछ जातियों के ध्रुवीकरण पर निर्भरता बढ़ाते जाने के कारण आरजेडी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी आदि जैसे दल अब इस मुकाबले में भाजपा से पिछड़ चुके हैं।

इसकी मिसाल बिहार में भी देखने को मिली। इन आंकड़ों पर ध्यान दीजिएः

यादव जाति के अलावा बाकी ओबीसी जातियों ने भारी बहुमत से एनडीए का समर्थन किया। कुर्मी-कोयरी जातियों के 71 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन उसे मिला।

अति पिछड़ी जातियों के 68 फीसदी मतदाताओं ने एनडीए को वोट दिया।

60 प्रतिशत दलितों का वोट भी एनडीए के पक्ष में गया।

सवर्ण जातियां तो 1990 के दशक से भाजपा का पारंपरिक वोटर हैं। इस बार इन जातियों का 67 फीसदी वोट एनडीए के पक्ष में गया।

इस तरह सिर्फ यादव और मुस्लिम ही ऐसे समुदाय रहे, जिनके अधिकतर वोट महागठबंधन को मिले। मुस्लिम वोटों में भी इस बार नौ फीसदी हिस्सा एआईएमआईएम ने झटक लिए।

ये आंकड़े हमने चुनाव सर्वे विशेषज्ञ संजय कुमार के अंग्रेजी अखबार द हिंदू में लिखे लेख से लिए हैं। उन्होंने पोलमैप सर्वे आंकड़ों के आधार पर यह भी बताया है कि सबसे गरीब मतदाताओं के वोट एनडीए और महागठबंधन में लगभग बराबर (तकरीबन 38 प्रतिशत) बंटे, लेकिन निम्न आय वर्ग, मध्य वर्ग एवं उच्च आय वर्ग के ज्यादातर मतदाताओं ने एनडीए को अपनी पसंद बनाया। निम्न आय वर्ग के 44 फीसदी वोट एनडीए को गए, जबकि महागठबंधन को 41 प्रतिशत मत मिले। मध्य एवं उच्च आय वर्ग का 58 प्रतिशत समर्थन एनडीए को गया।

इन आंकड़ों पर ध्यान देने के बाद बिहार में जो नतीजा आया, उस पर शायद ही किसी को आश्चर्य होगा। तो दो बातें साफ हैः

एक बात जो पृष्ठभूमि में रहती है- यानी यह कि पिछले एक दशक में सत्ता तंत्र पर भाजपा के कसे शिकंजे के कारण चुनावी धरातल उसके पक्ष में झुकता चला गया है।

दूसरी बात वो जो परदे पर नजर आती है- यानी यह कि भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण एवं कथित सोशल इंजीनियरिंग के जरिए जातीय समीकरण को अपने पक्ष में ढालने में कामयाब हो चुकी है। सर्वण और समृद्ध उसका बुनियादी समर्थन आधार हैं। ऊपर से न्यू वेल्फेयरिज्म- यानी सीधे नकदी (या अन्य लाभ) ट्रांसफर करने की योजनाओं के जरिए उसने निम्न आय वर्ग एवं गरीब तबकों के बीच में भी गहरी पैठ बना ली है।

इन दोनों पहलुओं को ध्यान में रखें, तो चाहे हरियाणा हो या महाराष्ट्र या अब बिहार- वहां भाजपा (या उसके गठबंधन) को मिली भारी जीत को आसानी से समझा जा सकता है। इसीलिए जो लोग इन पहलुओं से वाकिफ हैं, उन्हें बिहार के चुनाव नतीजे अपेक्षित दिशा में ही नजर आए। इससे आश्चर्य सिर्फ उन लोगो को हुआ, जिनकी निगाहों से 2014 के बाद भारतीय राजनीति के संदर्भ बिंदु में आया मूलभूत परिवर्तन ओझल बना हुआ है। या फिर इससे उन लोगों को हैरत हुई, जो उन यू-ट्यूबर्स या सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स की बातों पर सचमुच यकीन करते हैं, जो हर चुनाव में कड़ा मुकाबला इसलिए दिखाते हैं, ताकि उन्हें व्यूज या हिट मिलें। तीखे सामाजिक ध्रुवीकरण के कारण इन लोगों को अपने कंटेन्ट का बाजार मिला है।

ध्रुवीकरण इंसान के विवेक को इस रूप में प्रभावित करता है कि वह सच देखने या सुनने के बजाय वह देखना या सुनना पसंद करने लगता है, जो उसकी इच्छा के मुताबिक हो। मोदी भक्त और विरोधियों के ध्रुवीकरण के बीच ऐसा एक बड़ा तबका है, जो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की हार या उसके अपमान को देखने के लिए बेसब्र रहता है। यू-ट्यूबर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स के लिए यह तबका अपना माल बेचने का बाजार है- जहां वे वह बेचते हैं, जिसे खरीदने के लिए लोग वहां तैयार हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि राजनीतिक विमर्श के लिहाज से यही मीडिया माहौल आज निर्णायक बना हुआ है। इसका असर मीडिया के उन हिस्सों पर भी दिखता है, जहां कथित रूप से गंभीर कंटेन्ट पेश किया जाता है। और यही माहौल राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों को भी प्रभावित करने लगा है। वरना, महागठबंधन में शामिल दल किस बिना पर जीत की उम्मीद पाले हुए थे, यह समझना कठिन है।

एक तो महागठबंधन में तालमेल, उद्देश्य की समानता, और किसी बड़े मकसद के लिए चुनाव मैदान में होने के भाव का सख्त अभाव आरंभ से दिखा। यहां तक कि ये दल आपस में सीटों का दोषमुक्त बंटवारा भी नहीं कर पाए। यहां तक कि आखिरी वक्त में जा कर कांग्रेस ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा माना। इस बीच घटक दलों के बीच खासी बदमजगी हो चुकी थी।

उससे भी बड़ा सवाल है कि भाजपा की कथित सोशल इंजीनियरिंग और न्यू वेल्फेयरिज्म का महागठबंधन के पास क्या जवाब था? यह बात सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं है। हकीकत यह है कि आज चुनाव चाहे कहीं हो, मतदाताओं के पास चुनने के लिए ऐसी कोई पार्टी नहीं होती, जिसका राजनीतिक व्याकरण उससे अलग हो, जिससे 1990 के दशक में भारतीय राजनीति (खासकर उत्तर भारत में) के कथानक बदल गए थे। **यह निजी विचार है।**

संसद को चलाने की पहली जिम्मेदारी सरकार की

अजीत द्विवेदी

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार, एक दिसंबर से शुरू हो गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की भारी भरकम जीत के बाद यह सत्र हो रहा है। नए उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का यह पहला सत्र है। वे पहली बार उच्च सदन यानी राज्यसभा का संचालन कर रहे हैं। पिछले यानी मानसून सत्र में विवाद का जो मुख्य मुद्दा रहा था और जिस मुद्दे पर पूरा सत्र जाया हुआ था वह इस सत्र में भी है। दो दो जजों के खिलाफ महाभियोग का मामला भी है तो मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाने की विपक्ष की तैयारियां भी हैं। तभी सवाल है कि संसद का यह छोटा सा सत्र कैसे सुचारू रूप से चलेगा? ध्यान रहे शीतकालीन सत्र सिर्फ 19 दिन का है और इसमें 15 बैठकें होंगी।

इसमें सरकार को 10 विधेयक पेश करने हैं। हालांकि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि संविधान के 131वें संशोधन का विधेयक पेश करने की उसकी कोई मंशा नहीं है। पहले यह प्रस्तावित विधेयकों की सूची में था। इसमें चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत लाने का प्रस्ताव है। इससे चंडीगढ़ प्रशासन को केंद्र सरकार के नियमों से संचालित करने का अधिकार मिल जाएगा। सत्र के पहले दिन सरकार और विपक्ष दोनों ने अपना रवैया दिखा दिया है। सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री ने मुख्य विपक्षी कांग्रेस को निशाना बनाते हुए कह दिया कि कुछ पार्टियां हार नहीं पचा पाती हैं। उनके इस बयान को कांग्रेस ने अहंकार बताया है। इस जुबानी जंग और दोनों सदनों में हंगामे के साथ कार्यवाही शुरू हुई है। फिर भी अगर दोनों पक्ष अपने रुख में थोड़ा लचीलापन ले आएं तो संसद का सत्र सुचारू रूप से चल सकता है। लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति को भी इसमें थोड़ी पहल करनी चाहिए।

संसद को सुचारू रूप से चलाने की पहली जिम्मेदारी सरकार की होती है। अगर सरकार विवाद के मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हो जाए तो टकराव की 90 फीसदी संभावना समाप्त हो जाती है। मिसाल के तौर पर पिछले सत्र से विपक्ष चाहता है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर चर्चा कराई जाए। पिछला पूरा सत्र इस पर विवाद में जाया हुआ था। ध्यान रहे सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करा ली थी। सरकार को भी पता है कि चर्चा होते ही वह मुद्दा समाप्त हो गया। उसके बाद फिर कभी भी विपक्ष ने उसका मुद्दा नहीं उठाया। लेकिन एसआईआर पर चर्चा नहीं हुई तो मुद्दा आज तक चल रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का यह कहना सही है कि सरकार चुनाव आयोग के प्रवक्ता नहीं है। लेकिन चुनाव आयोग द्वारा शुरू किए गए एसआईआर पर चर्चा कराने का फैसला तो सरकार को ही करना है! दूसरी बात यह है कि आयोग पर जो आरोप विपक्ष लगा रहा है उसका लाभार्थी तो भाजपा को ही बता रहा है तो वैसे भी भाजपा को चर्चा के लिए तैयार होना चाहिए ताकि वह अपना पक्ष रख सके। एसआईआर की सफलता बिहार में प्रमाणित हुई है। उसके आंकड़े सरकार के पास हैं। सो, एक बार उसे चर्चा करा लेनी चाहिए, जिससे यह मुद्दा समाप्त हो जाएगा।

सरकार के बाद दूसरी जिम्मेदारी विपक्ष की होती है, जिसने अरुण जेटली की इस बात की गांठ बांध ली है कि संसद को बाधित करना भी संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा है और इससे भी लोकतंत्र मजबूत होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार से अपनी बात मनवाने या जनता तक अपनी बात पहुंचाने के लिए कई बार संसद को बाधित करना भी एक रणनीति होती है। लेकिन इस रणनीति का ज्यादा इस्तेमाल नुकसानदेह भी हो सकता है। गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष के अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने और भाजपा के बहुमत से नीचे आने के बाद विपक्ष ज्यादा आक्रामक हुआ है और किसी न किसी मुद्दे पर संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा है। लेकिन विपक्ष को भी पता है कि इसका कोई राजनीतिक या चुनावी लाभ उसे नहीं हो पा रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव के बाद हुए राज्यों के चुनावों में छह में से चार राज्यों में एनडीए की सरकार बनी है और जम्मू कश्मीर में भी भाजपा का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। कांग्रेस का प्रदर्शन इन सभी राज्यों में खराब रहा है। सो, एक बार चर्चा करके, बहस में हिस्सा लेकर और संसद को सुचारू रूप से चला कर देखना चाहिए। हो सकता है कि उससे विपक्ष को अपनी बात ज्यादा बेहतर ढंग से जनता तक पहुंचाने का मौका मिले। **यह निजी विचार है।**

'भोपाल गैस त्रासदी के सबक : वैज्ञानिक चेतना, औद्योगिक जवाबदेही और सुरक्षित भविष्य की आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने रखे विचार'

'भोपाल गैस त्रासदी के सबक : वैज्ञानिक चेतना, औद्योगिक जवाबदेही और सुरक्षित भविष्य की आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने रखे विचार'

'शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुरा में भोपाल गैस त्रासदी को समर्पित जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित'

'रायपुर, संवाददाता

'छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा द्वारा पं. गिरिजा शंकर मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रायपुरा में भोपाल गैस त्रासदी को समर्पित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वैज्ञानिक दृष्टि, औद्योगिक सुरक्षा और नागरिक सतर्कता पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध एस्ट्रोफिजिसिस्ट एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एस. के. पांडेय ने स्पष्ट कहा कि भोपाल गैस त्रासदी विज्ञान की विफलता नहीं बल्कि उद्योगपतियों की लापरवाही का परिणाम थी। उन्होंने बताया कि यूनियन कार्बाइड कंपनी ने अमेरिका में सुरक्षा मानकों का कठोरता से पालन किया, जबकि भारत में न कर्मचारियों को गैस रिसाव से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया और न ही स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

उन्होंने कहा कि उद्योगों की जवाबदेही तय करना अत्यंत आवश्यक है ताकि किसी भी दुर्घटना से बचाव के लिए मजबूत सुरक्षा तंत्र सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि हर नागरिक अपने आसपास के उद्योगों और पर्यावरणीय प्रभावों के प्रति जागरूक बने यही वैज्ञानिक सोच का आधार है। श्भोपाल गैस त्रासदी के सबकश् विषय पर बोलते हुए सौर ऊर्जा विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता उमाप्रकाश ओझा ने 2द्3 दिसंबर 1984 की दुःखद रात का वर्णन किया और विद्यार्थियों से पूछा कि क्या वे अपने आसपास के उद्योगों के प्रभावों पर ध्यान देते हैं। छात्रों द्वारा अनभिज्ञता जताए जाने पर उन्होंने छतों पर जमा काली धूल का उदाहरण देते हुए कहा कि यह रायपुर के आसपास के स्पंज आयरन उद्योगों से उपजे प्रदूषण का परिणाम है। उन्होंने चेताया कि यदि हम अभी जागरूक नहीं हुए, तो रायपुर की हवा भी दिल्ली जैसी जहरीली हो सकती है। उद्योगपति अक्सर मुनाफे के लिए पर्यावरण व सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं, और इसके खिलाफ आवाज उठाना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की शुरुआत में छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के अध्यक्ष एवं पूर्व अपर कलेक्टर विश्वास मेश्राम ने भोपाल गैस त्रासदी के कारणों, मिथाइल आइसोसायनेट गैस रिसाव की तकनीकी विफलताओं, तथा विकसित देशों और विकासशील देशों में सुरक्षा मानकों की विसंगतियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि विज्ञान का उद्देश्य जीवन बचाना है, न कि उसे नष्ट करना, और इसी कारण विज्ञान सभा विश्व शांति और युद्ध-विरोध की पक्षधर है। विद्यालय की प्राचार्या बीना शर्मा ने कार्यक्रम को अत्यंत ज्ञानवर्धक बताते हुए गैस त्रासदी में असमय मृत्यु का शिकार हुए हजारों लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

देश भर के कई शहरों में सड़क निर्माण के दौरान हो रहा प्लास्टिक वेस्ट का पुनः उपयोग

पीआईबी। स्वच्छ भारत मिशन, केवल स्वच्छता एवं शौचालयों के क्षेत्र में ही क्रांतिकारी परिवर्तनों का साक्षी नहीं बना है, बल्कि इस मिशन के तहत देश भर के शहरों से प्रतिदिन निकलने वाले कचरे को हर दिन खत्म करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इसके लिए '3क्र ङ्क रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल' की अवधारणा अपनाकर कचरे का निरंतर निस्तारण किया जा रहा है, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि नया कचरा कम से कम उत्पन्न हो। हर दिन निकलने वाले विभिन्न प्रकार के कचरे को खत्म करने के लिए कई तरह के अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं, इन्हीं में से एक सर्वश्रेष्ठ अभ्यास सिद्ध हो रही है 'प्लास्टिक वेस्ट टू रोड कंस्ट्रक्शन' की अनोखी पहल। भारत में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) द्वारा शुरू की गई यह पहल प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता की कहानी है, जिसे स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है। इस पहल ने शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को गैर-पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक वेस्ट को शहर के बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से सड़कों के निर्माण में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है। वर्तमान में प्लास्टिक वेस्ट का पुनः इस्तेमाल सड़कों के निर्माण में व्यापक रूप से किया जा रहा है ।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की 33वीं बैठक

योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी और किसान-केंद्रित हो- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह

छोटे किसानों को मिलें ज्यादा से ज्यादा लाभ, उनकी आय भी बढ़े- श्री शिवराज सिंह

बागवानी उत्पाद जल्दी खराब होने से बचाने के लिए रणनीति बनाएं, ताकि सेल्फलाइफबढ़े- श्री शिवराज सिंह

किसानों को नुकसान नहीं हो; अवेयरनेस प्रोग्राम चलाएं ह॥क्र श्री शिवराज सिंह

पीआईबी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज कृषि भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) के निदेशक मंडल की 33वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर भी उपस्थित थे।

फ्लैगशिप कार्यक्रमों की समीक्षा और रणनीति निर्धारण-बैठक में श्री शिवराज सिंह चौहान ने NHB की योजनाओं की समीक्षा की। विशेष रूप से वाणिज्यिक बागवानी विकास योजनाएं, कोल्ड-चेन अवसंरचना परियोजनाएं, क्लस्टर विकास कार्यक्रम (CDP)- क्षेत्र-विशिष्ट बागवानी क्लस्टरों के माध्यम से उत्पादकता और बाजार जुड़ाव को बढ़ाने की नई पहल, क्लीन प्लांट कार्यक्रम-उच्च मूल्य वाली फसलों के लिए रोग-मुक्त पौध सामग्री उपलब्ध कराने के बारे में चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी और किसान-केंद्रित हो तथा किसानों को सब्सिडी भी समय पर दी जाएं, इस संबंध में कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने किसानों के हित में, जल्दी खराब होने वाले बागवानी उत्पादों के संबंध में विशेष रणनीति बनाने पर जोर दिया, ताकि इनकी सेल्फ लाइफ बढ़े, किसानों को नुकसान नहीं हो और नुकसान से बचने के लिए अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाए जाएं।

एनएचबी की भूमिका सुदृढ़ करने के लिए मार्गदर्शन- बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बागवानी क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु कई रणनीतिक सुझाव दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, फसलोत्तर प्रबंधन, उत्पादकता वृद्धि पर विशेष ध्यान देने को कहा। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि पूरे समन्वय के साथ किसानों को बाजार, कोल्ड-चेन नेटवर्क और मूल्य संवर्धन के अवसरों से जोड़ने वाली व्यवस्था को सुदृढ़ करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों के फायदे के लिए एनएचबी राज्यवार, क्षेत्रवार रोडमैप बनाकर पूरी ताकत से श्रेष्ठ कार्य करें। **तकनीकी प्रकाशनों का विमोचन-** केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा तैयार गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस, जैविक खेती मॉडल और उन्नत बागवानी तकनीकों पर आधारित तकनीकी प्रकाशनों का विमोचन किया। ये संसाधन किसानों, उद्यमियों व कृषि विशेषज्ञों के लिए एक उपयोगी संदर्भ सामग्री सिद्ध होंगे। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट सहित कृषि, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, बागवानी उद्योग से जुड़े गैर-आधिकारिक सदस्य उपस्थित रहे। इस व्यापक प्रतिनिधित्व से बैठक में क्षेत्रीय दृष्टिकोण व सहभागी संवाद को बल मिला। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है, जो देशभर में वाणिज्यिक बागवानी और कोल्ड-चेन अवसंरचना के सुदृढ़ विकास के लिए कार्यरत है।

भारत के ईईजेड में मत्स्य पालन के टिकाऊ उपयोग

पीआईबी

(क): विदेश मंत्रालय भारत सरकार, ने अनन्य आर्थिक क्षेत्र, में मात्स्यिकी के सतत दोहन नियम 2025 को अधिसूचित किया है । इसका उद्देश्य पारंपरिक और लघु स्तरीय मछुआरों, मात्स्यिकी सहकारी समितियों और फिश फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (FFPOs) को सशक्त बनाना है ताकि वे डीप सी के अप्रयुक्त संसाधनों के उपयोग करने, प्रसंस्करण और निर्यात के साथ आय के नए स्रोत सृजन के लिए अपने कार्यों का विस्तार कर सकें जिससे उनकी आजीविका में बढ़ोतरी हो और मजबूती हो। (ख): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार एक प्रमुख योजना प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य मात्स्यिकी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और मछुआरों और मत्स्य किसानों के कल्याण को बढ़ावा देना है। प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा का एक प्रमुख उद्देश्य डीप सी फिशिंग में पारंपरिक और लघु स्तरीय मछुआरों को सशक्त बनाना है। तदनुसार, PMMSY के तहत पारंपरिक मछुआरों को डीप सी फिशिंग वेसल्स के अधिग्रहण के साथ-साथ निर्यात क्षमता के लिए मौजूदा फिशिंग वेसल्स के उन्नयन के लिए सहायता प्रदान की जाती है। नीली क्रांति, PMMSY और फिशरीज़ एंड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड योजनाओं के तहत, पारंपरिक मछुआरों द्वारा 1243 डीप सी फिशिंग वेसल्स के अधिग्रहण और निर्यात क्षमता।

नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पासपोर्ट सत्यापन रिकॉर्ड अब डिजिलॉकर पर उपलब्ध

पीआईबी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाय) के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) ने विदेश मंत्रालय (एमईए) के सहयोग से, डिजिलॉकर प्लेटफ़ॉर्म पर पासपोर्ट सत्यापन रिकॉर्ड (पीवीआर) की सुविधा उपलब्ध कराकर नागरिक सेवाओं में एक बड़े विस्तार का ऐलान किया है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत डिजिलॉकर, एक सुरक्षित, क्लाउड-आधारित प्लेटफार्म है, जो डिजिटल दस्तावेज़ों और प्रमाणपत्रों को जारी करने, संग्रहित करने, साझा करने और सत्यापित करने में मददगार है। नागरिकों के लिए दस्तावेज़ प्रबंधन को सरल बनाकर और भौतिक रिकार्ड्स पर निर्भरता को कम करते हुए यह पहल, डिजिटल इंडिया के विज़न को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस एकीकरण के साथ, पासपोर्ट सत्यापन रिकार्ड को अब डिजिलॉकर व्यवस्था में सुरक्षित रूप से एक्सेस, संग्रहित, साझा और डिजिटल रूप से सत्यापित किया जा सकता है, जिससे कागज़ रहित, संपर्क रहित और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को बढ़ावा मिलेगा। सफल सत्यापन के बाद, नागरिक अपने डिजिलॉकर खाते के ÷जारी किए गए दस्तावेज़÷ भाग में अपने पासपोर्ट सत्यापन रिकॉर्ड देख सकते हैं। यह पहल नागरिकों के लिए आधिकारिक सत्यापन दस्तावेज़ों (ओवीडी) की सुविधा और पहुँच को बढ़ाएगा, और यह भी सुनिश्चित करेगा कि उनके रिकॉर्ड डिजिलॉकर में सुरक्षित, विश्वसनीय और डिजिटल रूप से सत्यापन योग्य रहें।

खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) गांव

पीआईबी

पेय जल और स्वच्छता विभाग अजा/जनजाति की ज़्यादा आबादी वाले उन गांवों की संख्या का अलग से डेटा नहीं रखता है जिन्हें खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण [SBM(G)] फेज़-II के तहत, SBM(G) फेज़-II की समेकित प्रबंधन सूचना प्रणाली पर राज्य द्वारा रिकॉर्ड किए गए डेटा के अनुसार, पहचाने गए 2,567 गांवों में से, 78 गांव, यानी 3.03त्न गांव, 1 दिसंबर 2025 तक खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) प्लस घोषित किए जा चुके हैं। इनमें 26 गांव ऐसे हैं जिन्होंने ओडीएफप्लस मॉडल का दर्जा हासिल कर लिया है। यह जानकारी जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

नाड़ी वैद्य पूज्य गुरुदेव वीरेंद्र देशमुख द्वारा ग्राम लिमोरा के तीन मानिकपुरी गरीब परिवारों को 33 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

एजेंसी

राजनांदगांव।गुरुर, ज़िला बालोद विकासखंड गुंडरदेही मानव सेवा और दीन-दुखियों की मदद को अपना जीवन उद्देश्य मानने वाले ग्राम लिमोरा निवासी सुप्रसिद्ध नाड़ी वैद्य परम् पूज्य गुरुदेव वीरेंद्र देशमुख एक बार फिर जनसेवा की मिसाल बने। गुरुदेव ने आज ग्राम लिमोरा के तीन अत्यंत गरीब मानिकपुरी परिवारों को कुल 33,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार इन परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है। बारिश के दिनों में कच्चा मकान क्षतिग्रस्त होने से परिवार खुले आसमान के नीचे जैसे हालात में रहने को मजबूर हो गए थे। स्थिति से अवगत होने पर गुरुदेव ने स्वयं आगे बढ़कर इन परिवारों की सहायता की और कहा– ÷मानव सेवा हमारे जीवन का सर्वोच्च धर्म है। जाति-पांति से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की मदद करना ही सच्ची पूजा है।÷ **गरीब परिवारों ने किया भावपूर्ण आभार व्यक्त** रानी, सत्यभामा और इंद्रा मानिकपुरी,परिवारों ने गुरुदेव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जीवन में यह सहयोग संजीवनी साबित होगा। उन्होंने बताया कि– ÷हमारा नाम प्रधानमंत्री आवास योजना में आया है। गुरुदेव के द्वारा दी गई आर्थिक राशि हमारे नए मकान के निर्माण में एक बड़ी मदद होगी।

प्रदर्शनी में चित्र प्रतियोगिता का किया गया आयोजन, विजेता छात्र-छात्राओं को केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा किया गया पुरस्कृत

'काशी तमिल संगमम् 4.0' में तमिलनाडु से आये हुए डेलिगेट्स ने चित्र प्रदर्शनी को सराहा

कहां चित्र प्रदर्शनी में काशी एवं तमिल की विभूतियों का है अद्भुत संगम

पीआईबी

वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित 'काशी तमिल संगमम् 4.0' में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की इकाई केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रदर्शनी के तीसरे दिन आज हजारों की संख्या में स्कूलों से आये हुए छात्र - छात्राओं, तमिलनाडु से आए हुए डेलिगेट्स तथा स्थानीय लोगों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। तमिलनाडु से काशी तमिल संगमम् में आये हुए डेलिगेट्स द्वारा प्रदर्शनी की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि इस चित्र प्रदर्शनी में काशी और तमिलनाडु की महान विभूतियों का अद्भुत संगम है। केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा प्रदर्शनी देखने आये हुए स्कूलों के छात्र - छात्राओं के बीच चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता छात्र - छात्राओं को पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने वाले 'काशी तमिल संगमम' के इस चतुर्थ संस्करण में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु एवं काशी की महान विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं उनकी उपलब्धियां को दर्शाया गया है। चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु की महान विभूतियों जैसे ऋषि अगस्त्य, तमिल महिला कवि संत अव्वैयार, तमिल कवि संत तिरुवल्लुवर, कवयित्री और संत कारैकल अम्माइयार, भक्ति आंदोलन की कवि एवं संत अंडाल (कोधाई), थिरूनावुक्कारसर, तमिल कवि और समाज सुधारक श्री रामलिंग स्वामी (वल्लालर), तमिल विद्वान यू. वी. स्वामीनाथ अय्यर, अग्रणी समाज सुधारक, चिकित्सक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, ब्रिटिश भारत में पहली महिला विधायक डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी, गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन, अविष्कारक और उद्योगपति जी.डी. नायडू, खगोलशास्त्री सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, नोबेल पुरस्कार विजेता वेंकटरामन रामकृष्णन, स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, नोबेल पुरस्कार विजेता एवं महान वैज्ञानिक चंदशेखर वेंकट रमन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सुप्रसिद्ध राजनेता एवं भारत रत्न के. कामराज, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध राजनेता चिदंबरम सुब्रमण्यम, महान अभिनेता एवं राजनेता एम. जी. रामचंद्रन इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों एवं शब्दों में दर्शाया गया है। इसी प्रकार काशी की महान विभूतियां जैसे - संत कबीरदास, संत रविदास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शिक्षाविद पंडित मदन मोहन मालवीय, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खान, विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार पंडित रविशंकर, महान साहित्यकार जयशंकर प्रसाद इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों शब्दों के माध्यम से दर्शाया गया है। चित्र प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किये जा रहे सरकार के जन कल्याणकारी नीतियों, प्रयासों एवं योजनाओं को भी दर्शाया गया है। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा हाल में श्रम सुधार के लिए बनाये गये कानूनो, विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी के दरों को कम करने के लिये किए गये प्रयासों की जानकारी दर्शकों और जनसामान्य के लिए प्रदर्शित की गई है। चित्र प्रदर्शनी को डिजिटल रूप में भी प्रदर्शित किया गया है।

जिसमें काशी तमिल संगमम के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ केंद्र सरकार के 11

जांजगीर नैला स्टेशन के कायाकल्प का इंतजार, महाराजा अग्रसेन मार्ग भी बदहाल

परिसर में निर्माण सामग्रियों का अंबार, खराब रोड से लोग परेशान.

जांजगीर-चांपा।

जिला मुख्यालय के जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन का कायाकल्प तो हो नहीं पा रहा है। रही-सही कसर महाराजा अग्रसेन मार्ग नैला की बदहाली ने भी पूरी कर दी है। रोड का डामरीकरण उखड़ जाने के कारण यहां आने-जाने वाले लोग परेशान है। अमृत भारत के अंतर्गत आसपास के स्टेशन चकाचक हो गए हैं परंतु जांजगीर-नैला स्टेशन के दिन नहीं फिर पा रहे है। उधर महाराजा अग्रसेन मार्ग भी बदहाल है। ऐसे में लोगों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। कई बार तो खराब सड़क के चलते समय पर स्टेशन नहीं पहुंचने से लोगों की ट्रेन भी छूट जाती है। इस मार्ग का मरम्मत किया जाता है,

नेताजी चौक से रेलवे स्टेशन मार्ग में 2.5 किलोमीटर सीसी रोड बनाने के बाद करीब डेढ़ वर्ष पहले डामरीकरण कराया गया था, लेकिन सीसी रोड के ऊपर चढ़ाए गए डामर व गि?ट्टी की परत उखड़ने लगा है। यह कार्य भी अधूरा हुआ था, केवल रामप्रसाद तालाब तक 2 किमी मार्ग पर ही डामरीकरण किया गया था, जहां अब गड्ढों की भरमार है। उखड़े गिट्टी के कारण बाइक के पंचर होने की शिकायत बढ़ गई है, जिससे यात्रीगण परेशान हैं।

भारी वाहनों ने बिगाड़ी दशा.... मनोज कालू अग्रवाल

समाजसेवी एवं पूर्व एल्डरमैन मनोज कालू अग्रवाल ने कहा कि नैला रेलवे स्टेशन के पास रेक पाइंट से रोज ही रात के समय भारी वाहन कोयला व अन्य सामान लेकर इस मार्ग से आवागमन करते हैं, जिससे सड़क खराब होते जा रहा है। पहले तो 24 घंटे भारी वाहनों का आना-जाना लगा रहता था, लेकिन दिन के समय भारी वाहनों के नो एंट्री के बाद कुछ राहत मिली है, लेकिन अब भी रात के समय गुजरने वाले भारी वाहनों से सड़क की दुर्गति बढ़ते जा रही है,जिसका पुनर्निर्माण किया जाना जरूरी है।

नहीं बन पाया परिसर का गार्डन........

जिला मुख्यालय के नैला रेलवे स्टेशन को संवारने का काम अमृत भारत के अंतर्गत शुरू किया गया था। चांपा, अकलतरा के स्टेशन चकाचक हो गए हैं परंतु यहां की हालत सुधर नहीं रही है। परिसर का गार्डन भी ठीक से नहीं बन पाया। प्लेटफार्म एक व्यवस्थित नहीं हो पाया है। बाहर परिसर में निर्माण सामाग्रियों का ढेर लगा हुआ है। आने-जाने वाले लोग परेशान हो रहे है।

भगवान दत्तात्रेय ने अपने जीवन में चौबीस गुरु बनाये -राजेश्री महन्त

प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई गुण अवश्य होता है

संवाददाता। ब्रह्मपुरी रायपुर स्थित दत्तात्रेय मंदिर में महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज, स्थानीय विधायक सुनील सोनी सहित अनेक गणमान्य अतिथि भगवान दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर उपस्थित हुए। इन्होंने मंदिर परिसर में ध्वजारोहण किया, हवन कुंड का परिक्रमा करते हुए कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, भगवान के दर्शन पूजन के उपरांत उपस्थित स्रोताओं को अतिथियों के द्वारा संबोधित किया गया। राजेश्री महन्त जी महाराज ने कहा कि - *भगवान दत्तात्रेय ने अपने जीवन में चौबीस गुरु बनाये कथन का तात्पर्य यह है कि -प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई गुण अवश्य होता है, हमें उससे ग्रहण करना चाहिए।* कहा भी गया है कि *गुन के गाहक सहस नर, बिनु गुन लहै न कोय।।* विधायक सुनील सोनी ने कहा कि- भगवान दत्तात्रेय की जयंती के अवसर पर यह कहना चाहूंगा कि आप सभी समाज में एकता बनाकर कार्य करें इससे समाज का विकास होगा। हम विकसित भारत के साथ-साथ विकसित छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण करें यही हम सब का उद्देश्य होना चाहिए। लोगों को जैतू साव मठ ट्रस्ट के सदस्य अजय तिवारी जी ने भी संबोधित किया। सुबोध मनोहर पंडे के द्वारा दत्त गुरु चरित पाठ किया गया। शताब्दी पांडे, हरि बल्लभ अग्रवाल तथा ट्रस्ट कमेटी के सभी सदस्यों सहित श्रद्धालु भक्तगण काफी संख्या में उपस्थित थे। भगवान की आरती संपन्न होने के पश्चात सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 11-12 दिसंबर को, पंजीयन 10 दिसंबर तक

युवा प्रतिभाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का अवसर

जांजगीर चांप /

जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव वर्ष 2025-26 का आयोजन 11 एवं 12 दिसंबर 2025 को जिला मुख्यालय जांजगीर के ऑडिटोरियम में प्रातः 8 बजे से किया जाएगा। उत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष तथा संगतकार की आयु 18 से 40 वर्ष निर्धारित है। युवा उत्सव के अंतर्गत लोकनृत्य 10, पंथीनृत्य 10, सुआनृत्य 10, लोकगीत 10, कहानी लेखन 01, वाद-विवाद 02, नवाचार 02, राउत नाचा 10, करमानृत्य 10, पारंपारिक वेशभूषा 02, एकांकी नाटक 12, रॉक बैण्ड 10, चित्रकला 01 तथा कविता लेखन 01 प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। उत्सव में शामिल होने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए पूर्व पंजीयन अनिवार्य है। जिले के प्रतिभागी/दल पंजीयन फार्म, फोटोग्राफ एवं आयु प्रमाण दस्तावेज सहित कार्यालय जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण, जांजगीर-चांपा (पुरानी सिंचाई कॉलोनी) में कार्यालयीन समय के दौरान आवेदन जमा कर सकते हैं, जिसकी अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8770967779 पर संपर्क किया जा सकता है।

पोड़ीशंकर में रात्रि चौपाल : हितग्राहियों से सीधा संवाद, आवास निर्माण में तेजी पर जोर

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ीशंकर में रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे द्वारा हितग्राहियों से सीधे संवाद स्थापित किया गया और उन्हें आवास निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण दिशानिर्देश प्रदान किए गए।

चौपाल के दौरान सीईओ श्री गोकुल रावटे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत प्रत्येक पात्र लाभार्थी को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। हितग्राहियों को आवास निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने व निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने के लिए प्रेरित किया गया। निर्माण के विभिन्न चरणों की प्रक्रिया, किस्तों के वितरण और मनरेगा मजदूरी भुगतान की जानकारी भी विस्तार से दी गई।

उन्होंने कहा कि आवास निर्माण के साथ-साथ मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार एवं भुगतान दोनों उपलब्ध हैं, जिसका पूर्ण लाभ सभी हितग्राही लें। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को मजबूत, सुरक्षित एवं स्थायी आवास प्रदान करना है। चौपाल में हितग्राहियों के प्रश्न सुने गए तथा आवास स्वीकृति, भुगतान, निर्माण सामग्री व शासकीय प्रक्रियाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। रात्रि चौपाल ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने, समस्याओं के निराकरण तथा आवास निर्माण में तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रज्ञा यादव, विकासखंड समन्वयक, तकनीकी सहायक, सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक सहित ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित अमीन भर्ती परीक्षा 2025 हेतु जिला स्तरीय हेल्प डेस्क

जांजगीर-चांपा /कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 2025 07 दिसम्बर 2025 दिन रविवार को आयोजित परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन एवं परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए कार्यालय कलेक्टर के कक्ष क्रमांक 12 में जिला स्तरीय हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। इस हेल्प डेस्क का उद्देश्य परीक्षार्थियों को परीक्षा संबंधी सभी महत्वपूर्ण जानकारी, मार्गदर्शन तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना है। डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी ने सभी परीक्षार्थियों से अनुरोध है कि किसी भी समस्या या जानकारी हेतु कार्यालयीन समय 10 से 05.30 बजे तक डिप्टी कलेक्टर एवं जिला नोडल श्री शशि कुमार चौधरी दूरभाष नंबर 9993257353, प्राचार्य एवं समन्वयक नोडल श्री डॉ.डी.आर.लहरे 9752292926, सहायक नोडल श्री आकाश कुमार भारद्वाज 7648091099,सहायक नोडल प्रवीण कुमार पोर्ते 6263718111 पर संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

अधिकार पत्र धारकों के फौती नामांतरण हेतु आवश्यक सूचना — 14 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से करें प्रक्रिया पूण

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुसार वन अधिकार पत्र (पट्टा) धारक कृषकों को भी प्राथमिकता से एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत कर धान खरीदी योजना का लाभ दिया जाना है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया वर्तमान में जांजगीर-चांपा जिले अंतर्गत 211 हितग्राहियों को फौतीनामांतण हेतु चिन्हांकित किया गया है जिनका फौती नामांतरण नहीं होने के कारण एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन होने में समस्या आ रही है। उक्त 211 हितग्राहियों की सूची संबंधित ग्राम पंचायत में चस्पा कर दिया गया है। कृपया सूची अनुसार हितग्राही, परिवारजन,विधिक वारिसान अपने संबंधित तहसील कार्यालय अकलतरा, बलौदा एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी बलौदा में 14 दिसंबर 2025 तक समस्त मूल दस्तावेजों के साथ संपर्क कर फौती नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत कर फौती नामांतरण करा सकते हैं।

हत्या की नियत से धारदार चाकु मे हमला : आरोपी को बम्हनीडीह पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

जांजगीर चांपा / हत्या की नियत से धारदार चाकू से हमला के आरोपी को बम्हनीडीह पुलिस ने गिरफ्तार किया है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है, कि प्रार्थी नीरज सोनी थाना द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि दिनांक 3 दिसंबर 2025 को दोहपर 1:20 बजे प्रार्थी अपने दो अन्य साथियों के साथ सतबहिनिया मंदिर बम्हनीडीह घुमने गये थे । वही पर खडे होकर आपस में बाते कर रहे थे तभी ग्राम रोहदा निवासी जागेश्वर महंत मो.सा. से दारू भट्ठी की ओर से आकर अश्लील गाली गुप्तार करने लगे । मना करने पर जान से मार दुंगा कहते हुए धारदार चाकु से हत्या करने के नियत से शिवा सोनी के बांये तरफ पेट को चाकु से मारने से गंभीर चोट लगा है। प्रार्थी और शिवम सोनी बीच बचाव करने लगे तो शिवम सोनी को भी जागेश्वर महंत ने अपने पास रखे चाकु से शिवम सोनी के बांये हाथ को मारकर गंभीर चोंट पहुंचाया है। प्रार्थी को मारने के दौडाया तो वह मंदिर के पीछे तरफ भाग गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 113/2025 धारा 296,351(3),109 क्षह्नस् पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था।

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में व अति पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप व एसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार के कुशल मार्गदर्शन में विवेचना दौरान घटना स्थल निरीक्षण कर आरोपी जागेश्वर दास मंहत निवासी रोहदा को पतासाजी कर घेराबंदी कर पकड़कर पुछताछ मेमोरण्डम कथन लिया , जो अपना जूर्म स्वीकार कर बताया की पुरानी पैसे के लेन देन पर पैसा नही देने पर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जिससे घटना में प्रयुक्त धारदार चाकु एवं मो.सा. को बरामद किया जाकर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक के.पी.सिंह थाना प्रभारी बम्हनीडीह, प्रधान आरक्षक मिलन राठौर, राकेश चतुर्थी, आरक्षक शैलेन्द्र राठौर, जयराम बिंझवार, सचेन्द्र साहू, उमेश कश्यप अमीर सिंह पैकरा एवं समस्त थाना स्टाप का विशेष योगदन रहा।

रासेयो शिविर मे जिला संगठक श्री तिवारी ने किया औचक निरीक्षण

जांजगीर चांपा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुखरीकला का विशेष सात दिवसीय शिविर ग्राम सिधरामपुर के प्राथमिक विद्यालय परिसर मे आहुत की गई ।जिसमे शिविर के पंचम दिवस पर संध्याकालीन समय पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक वाय के तिवारी के द्वारा शिविर का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए शिवरार्थी स्वयंसेवको को शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए। शिविर के बौद्धिक गोष्ठी पर चर्चा किये साथ ही साथ शिविर के आवास व्यस्था, भोजन, बिजली -पानी सहित स्थायी परियोजना कार्य के तहत वृक्षारोपण, पचरी सफाई अभियान, चबुतरा निर्माण एवं स्वास्थ्य परीक्षण पर चर्चा किये। तथा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सभी शिवरार्थी स्वयंसेवको एडस मुक्त भारत निर्माण के लिये सपथ ग्रहण कराया गया।

रात्रि कालीन शिविर गतिविधियो का आंकलन करते हुए स्वयंसेवको को शिविर सफलता का बधाई देते हुए निरीक्षण कार्य संपन्न किये। इससे पूर्व बौद्धिक गोष्ठी गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि ग्राम सिधरामपुर के वरिष्ठ वयोवृद्ध 80 वर्षीय श्रीमति सुवासिन बाई मन्नेवार तथा श्रीमति दुलौरिन बाई मन्नेवार तथा विशिष्ट आतिथ ग्राम सरपंच श्रीमति कविता मरावी एवं केएम यादव पूर्व प्राचार्य ढिटोरी, केके राठौर प्रधान पाठक माशा सुखरीकला, फूलसाय तांब्रे,सीके पटेल माशा सुखरीकला, श्रीमति यशोदा राठौर के आतिथ्य मे महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, पर व्याख्यान किया गया। कार्यक्रम मे मंच संचालन स्वयंसेवक आर्यन टण्डन तथा रघुबीर सिंह कंवर के द्वारा आभार प्रदर्शन सहायक कार्यक्रम अधिकारी एमआर राज के द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने मे रासेयो कार्यक्रम अधिकारी आरके राठौर,शिविर संयोजक डीएल कंवर व्याख्याता केएस कंवर, एलएन सोनकर, श्रीमति अनिता साहू श्रीमति एम अवस्थी, श्रीमति रंजना पाण्डेय, सहित नान बाई प्रधान भृत्य, रघुनाथ बरेठ,भृत्य पुनीतराम ,अरविंद यादव सहित एनएसएस स्वयंसेवक ओमकिशन मन्नेवार,उमेश कुमार, रागिनी बरेठ, सहित सभी स्वयंसेवको तथा पंचायत के पंचगण तथा ग्रामवासीयो का सक्रिय सहयोग रहा।

सिटी बस के अभाव में ऑटो वाले वसूल रहे दो से तीन गुना किराया

जांजगीर-चांपा।

जिले में संचालित सिटी बस की सेवाएं कोरोना के शुरूआती दौर में बंद कर दी गई थी, जिसके बाद से अब तक इस सेवा का लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है। सिटी बस बंद होने का लाभ ऑटो चालक जमकर उठा रहे हैं। दो से तीन गुना अधिक किराया वसूल रहे हैं, जिससे यात्रियों की जेब अनावश्यक ढीली हो रही है। सिटी बस सेवा के बंद होने का खामियाजा आसपास जाने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। सिटी बस के अभाव में यात्रियों को आटो का ही सहारा रह गया है और इस मौके का ऑटो चालक जमकर उठा रहे हैं। एक तो ऑटो में ठूंस-ठूंसकर सवारी बैठाते हैं और उपर से किराया भी दो से तीन गुना अधिक वसूल रहे हैं। जांजगीर से चांपा जाने वाले यात्री 40 रुपए किराया चुका रहे हैं, तो अकलतरा जाने के लिए लोगों को 80 रुपए देना पड़ रहा है। वहीं कोरोना काल के पहले चांपा का किराया 20 रुपए था और अकलतरा के लिए 35 रुपए देना होता था। इस दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम में भी कोई खास फर्क नहीं हुआ है। कोरोना काल के पहले पेट्रोल-डीजल का भाव 100 रुपए के आसपास था, जो अब भी बना हुआ है। इसके बाद भी ऑटो चालक यात्रियों से दो से तीन गुना अधिक किराया वसूल रहे हैं, क्योंकि सिटी बस का संचालन बंद होने से यात्रियों की संख्या बढ़ गई, जिसका फायदा आटो चालक उठा रहे हैं। बताया जा रहा कि ऑटो चालकों की मनमानी कोरोना के बाद से यातायात बहाल होने के बाद से बढ़ गया है, जिसको सिटी बस प्रारंभ नहीं होने से बल मिल रहा है।

सड़कों में ऑटो , आवागमन अवरुद्ध..... ऑटो चालक अपना स्टैंड में खड़े ना कर गायत्री मंदिर नैला में रोड के सामने खड़ा कर आवागमन को अवरुद्ध कर रहे हैं, जिस पर यातायात विभाग द्वारा उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे आने जाने वाले को यात्रियों को एवं नागरिकों को काफी दिक्कत हो रही है।

रायगढ़ आरपीएफ पोस्ट में साथी आरक्षक पर फायरिंग, तड़के गोलीकांड से हड़कंप

रायगढ़,। बिलासपुर रेल मंडल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार रायगढ़ त्रक्कस्न पोस्ट में तैनात एक आरक्षक ने अपने ही साथी आरक्षक पर फायरिंग कर दी। घटना के बाद पूरे रेल सुरक्षा बल में अफरा-तफरी का माहौल है और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत रायगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि वारदात तड़के लगभग 4 बजे हुई। घायल आरक्षक की पहचान पी.के. मिश्रा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपित आरक्षक ने करीब तीन राउंड गोली कनपटी पर बेहद करीब से दागी। दोनों के बीच संविधान से जुड़े किसी मुद्दे पर विवाद की बात भी सामने आ रही है।

घटना पूरी तरह पास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। फिलहाल आरपीएफ की ओर से इस घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है।

खास खबर

जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिसद की बैठक 6 को

कोरबा । कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक 06 दिसंबर को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आज

कोरबा। कलेक्टर कोरबा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक 02 दिसंबर को अपरांह 01 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है।

केंदा घाटी में बड़ा हादसा : मोड़ पर अनियंत्रित हुई बस, पेड़ से टकराकर लटकी

बिलासपुर,। बिलासपुर-पेंड्रा रोड के केंदा घाटी क्षेत्र में मंगलवार शाम एक बड़ी दुर्घटना हो गई। दीप ट्रैवल्स की यात्री बस मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी कंक्रीट दीवार से टकरा गई और उसके बाद पेड़ से टकराते हुए दो पहियों के सहारे खाई के ऊपर लटक गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक की स्थिति काफी गंभीर बताई जा रही है।

बस के ठीक बगल में करीब 40 फीट गहरी खाई थी। यदि बस नीचे गिर जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना कोटा थाना और केंदा चौकी क्षेत्र में हुई। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, बस (छ्त्त 10 त्न 0336) मरवाही से बिलासपुर की ओर जा रही थी। बस के ड्राइवर अर्जुन कश्यप के साथ कुल 31 यात्री सवार थे। पेंड्रा और गौरेला पार करने के बाद जैसे ही वाहन कारीआम के आगे स्थित केंदा घाटी पहुंचा, वहीं सड़क के जर्जर होने और निर्माण कार्य के चलते रास्ता बेहद जोखिम भरा था।

फिसलन और गड्ढों के कारण घाटी में वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है। इसी बीच एक तेज मोड़ पर बस का नियंत्रण ड्राइवर से छूट गया। वाहन पहले कंक्रीट वॉल से टकराया, फिर एक पेड़ से अटककर खाई के ऊपर लटक गया। अंदर बैठे यात्री टक्कर के झटके से एक तरफ गिर पड़े। हादसे में ग्राम केंदा सेमरी निवासी 20 वर्षीय यशपाल कंवर को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पांच अन्य यात्री भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अमीन भर्ती परीक्षा 7 दिसंबर को

कोरबा । छ0ग0 व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित अमीन भर्ती परीक्षा 07 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से 02.15 बजे तक जिले के 31 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जायेगी। जिसमें कुल 09 हजार 502 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस हेतु परीक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केन्द्र बनाया गया है। जिसका संपर्क नंबर 9827488964 एवं 9826331942 है।

कलेक्टर ने साप्ताहिक जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

कोटवार के विरूद्ध अवैध कब्जे की शिकायत

बिलासपुर । कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार और सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल ने लोगों की समस्याओं को सुना।

जनदर्शन में आज ग्राम पंचायत निपनिया के किसानों ने ग्राम कोटवार के द्वारा किसानों के आने जाने वाले रास्ते व कोटवारी जमीन के अलावा उसके आसपास के सभी शासकीय भूमि में किये गये बेजा कब्जा को तोड़वाने की मांग की। कलेक्टर ने इस मामले की जांच करने के निर्देश एसडीएम बिल्हा को दिए। आज ग्राम लिमतरी के पूर्व उप सरपंच विनोद कुमार कौशिक ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिमतरी में विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप अतिरिक्त शौचालय भवन का निर्माण कराये जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम लिमतरी के शासकीय विद्यालय विद्यार्थियों की संख्या अत्यधिक होने के कारण अतिरिक्त शौचालय भवन की आवश्यकता है। कलेक्टर ने उनका ज्ञापन जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम हाफा निवासी हीरालाल महिलांगे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मिलने वाली किस्त की राशि दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत आवास की पूरी किस्त की राशि उन्हें प्राप्त नहीं हुई है। शेष राशि के लिए उन्होंने पूर्व में आवेदन दिया था परंतु आज दिनांक तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में बिलासपुर के लव यादव ने कलेक्टर को ट्राई साइकिल दिलाने की मांग की। कलेक्टर ने इस संबंध में समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा। बिल्हा विकासखण्ड के मनोज पांडेय ने बिटकुली सोसायटी में रबी फसल के लिए गेंहू, बीज और खाद नहीं मिलने की शिकायत की। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को आवेदन प्रेषित करते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

बेहतर समर्थन मूल्य और आधुनिक खरीदी व्यवस्था से किसान उमेंद सिंह उत्साहित

संवाददाता

कोरबा जिले में धान खरीदी के सुचारू संचालन का लाभ किसानों को तेजी से मिल रहा है। इसी क्रम में रिस्दी के किसान श्री उमेंद सिंह धान उपार्जन केंद्र नकटीखार में अपने मेहनत से उपजाए 60 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धान बेचने का अनुभव पहले से कहीं अधिक आसान रहा। विशेष रूप से टोकन तुंहर हाथ मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन प्राप्त होने से उन्हें किसी भी प्रकार की प्रतीक्षा या परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

किसान ने बताया कि वे खेती-किसानी के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं और लगभग 4 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करते हैं। इस वर्ष उनकी धान की फसल अच्छी हुई है, जिसका श्रेय वे आधुनिक खेती पद्धतियों और सरकार की सुविधाओं को देते हैं। उमेंद्र राम का कहना है कि सर्वाधिक मूल्य पर धान खरीदी की स्थायी व्यवस्था ने किसानों में न केवल भरोसा बढ़ाया है, बल्कि खेती के प्रति रुचि भी मजबूत की है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी उन्होंने 60 क्विंटल धान विक्रय किया था एवं धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने समय पर खाद, बीज और कीटनाशक दवाओं की खरीदी में किया, जिसका सकारात्मक परिणाम इस वर्ष की अच्छी पैदावार के रूप में सामने आया है। किसान उमेंद्र राम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के लिए दी जा रही सुविधाएँ सराहनीय हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल की प्रशंसा करते हुए बताया कि राज्य में कृषकों के हित में किए जा रहे कार्यों से किसानों का मनोबल बढ़ा है। ऐसी सुव्यवस्थित धान खरीदी की व्यवस्था से किसान संतुष्ट और खुश हैं। सरकार द्वारा दिए जा रहे बेहतर समर्थन मूल्य और सुविधाजनक खरीदी प्रक्रिया को लेकर उन्होंने विशेष धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि इन प्रयासों से किसानों को अपनी मेहनत का पूरा मूल्य मिल रहा है।

वनांचल ग्राम सागबाड़ी प्राथमिक शाला में दो शिक्षकों से बदल रही शिक्षा की तस्वीर

० युक्ति युक्तकरण से शिक्षक पदस्थ

कोरबा जिले के विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत वनांचल क्षेत्र के ग्राम सागबाड़ी में वर्षों से प्राथमिक शाला संचालित है। यह स्कूल गांव के बच्चों के लिए शिक्षा का प्रमुख आधार रहा है। लंबे समय तक यहां केवल एक शिक्षक के भरोसे ही विद्यालय चलता था। एकमात्र शिक्षक होने के कारण विद्यार्थियों को एक ही कमरे में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ती थी, और कई बार अलग-अलग कक्षाओं के लिए बच्चों को शिक्षक का इंतजार भी करना पड़ता था।

विद्यालय में प्रधान पाठक के रूप में राम सिंह लम्बे समय से सेवारत हैं। उनके लिए अकेले सभी कक्षाओं को पढ़ाना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि एकमात्र शिक्षक होने की स्थिति में उन्हें कई शैक्षणिक और प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों को रिक्त पदों वाले विद्यालयों में पदस्थापित किए जाने की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया अपनाई गई। इसी के तहत वनांचल ग्राम सागबाड़ी के प्राथमिक शाला में भी बदलाव आया और सहायक शिक्षक की नियुक्ति हुई। श्री मनोज चंद्रा ने सहायक शिक्षक के रूप में 5 जून 2025 को यहां ज्वाइन किया। उन्होंने बताया कि ज्वाइन करने के बाद वे नियमित रूप से विद्यालय आते हैं और बच्चों को सुचारू रूप से अध्ययन कराते हैं। विद्यालय के विद्यार्थी बुधवार सिंह (कक्षा पाँचवीं) ने बताया कि पहले एक ही शिक्षक होने से उन्हें पढ़ाई में परेशानी होती थी, लेकिन अब दो शिक्षक होने से पढ़ाई बेहतर ढंग से हो रही है। कक्षा चैथी की प्रिया, कक्षा दूसरी की रोशनी और कक्षा तीसरी के सतीश यादव ने भी कहा कि अब गुरुजी समय पर आते हैं और कोई भी कक्षा खाली नहीं रहती। बच्चों ने यह भी बताया कि उन्हें नियमित रूप से सुबह का नाश्ता और भोजन भी मिलता है।

अवरोधों को पार करना ,एड्स प्रतिक्रिया को बदलना थीम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया गया

संवाददाता

कोरबा । अजीत वसंत कलेक्टर के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष की भॉति '' अवरोधों को पार करना , एड्स प्रतिक्रिया को बदलना थीम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया गया।

विश्व एड्स दिवस पर जिले के मेडिकल कॉलेज, साम्.स्वा.केन्द्रों, प्राथ.स्वा.केन्द्रो तथा शहरी तथा ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। जिससे लोगों को एड्स के संबंध में जागरूक किया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सी.के सिंह, डॉ. बी .आर. रात्रे,जिला टीबी नियंत्रण अधिकारी , डॉ.रविकांत राठोर, नोडल अधिकारी एड्स द्वारा एड्स जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी , कर्मचारी मेडिकल कॉलेज के छात्र - छात्राएँ तथा नर्सिंग कॉलेज के छात्र छात्राए तथा अधिक संख्या मे लोग उपस्थित थे।

कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के जनप्रतिनिधियों से आग्रह एवं अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि एड्स संबंध में समाज में जागरूकता अभियान चलाया जाए , अधिक से अधिक संख्या में जॉच अभियान चलाकर एड्स बीमारी को समाप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दें।.

सहकारी समितियों में सुचारु व्यवस्था, छोटे किसानों में भी दिखा बड़ा भरोसा

समर्थन मूल्य से किसानों में नई ऊर्जा, विष्णु सरकार की योजनाएँ बनीं किसान परमेश्वर की ताकत'

कोरबा संवाददाता।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में इस वर्ष खरीफ 2025-26 की धान खरीदी प्रदेशभर में एक पर्व की तरह मनाई जा रही है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने हेतु सर्वाधिक समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने के साथ ही खरीदी केंद्रों में बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराए जाने से किसानों में गहरा उत्साह और विश्वास देखने को मिल रहा है। खरीदी केंद्रों में किसानों की भीड़ और उनके चेहरों पर संतोष इस बात का प्रमाण है कि धान खरीदी अब वास्तव में 'धान तिहार' के रूप में राज्य में उत्सव का स्वरूप ले चुकी है, जहाँ हर किसान आत्मविश्वास और संतोष के साथ अपनी उपज बेचने पहुंच रहा है। कोरबा जिले के ग्राम बिशनपुर के किसान श्री परमेश्वर दास जो 02 एकड़ भूमि में मेहनत और सरकारी सहयोग की बदौलत इस वर्ष अपनी फसल उत्पादन में वृद्धि की है। वे बताते हैं कि इस बार उन्हें खरीदी प्रक्रिया में कोई परेशानी नहीं हुई ऑनलाइन टोकन तुहर टोकन ऐप के माध्यम से उन्होंने आसानी से टोकन कटवाया और निर्धारित समय पर सहकारी समिति छुरी में धान बेचने पहुँच गए।

श्री दास ने बताया पिछले वर्ष मैंने मात्र 10 क्विंटल धान बेचा था, लेकिन इस बार फसल भी बेहतर रही और सरकारी व्यवस्थाएँ इतनी सुगम हैं कि मैं 20 क्विंटल धान लेकर आया हूँ। अभी और धान लाना बाकी है। खरीदी केंद्रों में तौल, व्यवस्था, स्टाफ का सहयोग, पानी, बैठने की सुविधा - सब कुछ पहले से बहुत बेहतर है।राज्य सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य के अलावा कृषक उन्नति योजना की राषि दी जाती है।जिससे हमारी आय में बड़ा सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा खाद, बीज, सिंचाई सहायता और समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराने से खेती लाभकारी बन रही है। किसानों का कहना है कि इस बार की खरीदी व्यवस्था में किसी प्रकार की भीड़, अव्यवस्था या लंबी प्रतीक्षा की स्थिति नहीं है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली से पूरी प्रक्रिया सुव्यवस्थित हो गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार प्रकट किया।

होटल सेंटर प्वाइंट में गंदगी, सफाई का अभाव व व्याप्त अव्यवस्था पर निगम ने लगाया 20 हजार रू. का अर्थदण्ड

होटल प्रबंधन को दी कड़ी हिदायत, तीन दिवस के भीतर सुधारे व्यवस्थाएं, अन्यथा होगी और अधिक कड़ी कार्यवाही

कोरबा । आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी एवं उनकी टीम ने टी.पी.नगर कोरबा स्थित होटल सेंटर प्वाइंट का आकस्मिक निरीक्षण कर वहॉं पर मिली गंदगी व साफ-सफाई का अभाव, अपशिष्ट का गलत डिस्पोजल, प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग एवं कचरे को जलाने सहित अन्य व्याप्त अव्यवस्थाओं को गंभीरता से लेते हुए होटल पर 20 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया, साथ ही प्रबंधन को कड़ी हिदायत दी कि वे तीन दिवस के अंदर व्यवस्थाओं को सुधार लें अन्यथा और अधिक कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

नगर पालिक निगम कोरबा के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि मंगलवार को होटल सेंटर प्वाइंट का आकस्मिक निरीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि होटल में लॉजिंग, बोर्डिंग के अतिरिक्त विवाह शादी समारोह आदि के भी आयोजन होते हैं, किन्तु इसकी पूर्व सूचना निगम को नहीं दी जाती है, उन्होने बताया कि होटल से उत्सर्जित अपशिष्ट नाली में बहा दिया जाता है, साथ ही होटल के भीतरी परिसर में साफ-सफाई का अभाव है, उत्सर्जित कचरे को जलाया जाता है, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन हैं, इसके साथ ही होटल में आयोजित विभिन्न समारोह में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग भी किया जा रहा है, उपयोग के पश्चात प्लास्टिक अपशिष्ट का ढेर भी निरीक्षण के दौरान पाया गया। डॉ.तिवारी ने बताया कि होटल के सीवर पाईप का आउटलेट बाहर खुले में है, जिससे वहॉं पर गंदगी फैलती है, इन सभी व्याप्त अव्यवस्थाओं, नियमों के उल्लंघन, होटल में गंदगी व साफ-सफाई के अभाव को देखते हुए निगम द्वारा होटल प्रबंधन पर 20 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया है, साथ ही प्रबंधन को सख्त हिदायत दी गई है कि वे तीन दिवस के अंदर व्यवस्थाओं को सुधारें, अन्यथा और अधिक कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

आयोजन की पूर्व सूचना निगम को दें - आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने निगम क्षेत्र में स्थित शादी विवाह घरों सामाजिक भवनों तथा अन्य ऐसे सभी स्थलों जहॉं पर शादी विवाह, सगाई, बर्थडे सहित अन्य विविध आयोजन व कार्यक्रम होते हैं, उनके संचालकों, आयोजकों से अपील की है कि वे आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों व आयोजनों की पूर्व सूचना नगर निगम कोरबा के स्वच्छता विभाग को दें, ताकि निर्धारित शुल्क के आधार पर आयोजन स्थल से अपशिष्ट के उठाव, परिवहन व कचरे के प्रबंधन का कार्य निगम द्वारा किया जा सके। उन्होने कहा है कि आयोजन स्थलों से उत्सर्जित अपशिष्ट का उचित प्रबंधन न करने एवं गंदगी फैलाने पर निगम द्वारा कार्यवाही की जाएगी, अतः कार्यवाही से होने वाली असुविधा से बचने के लिए निगम के आयोजन की पूर्व सूचना देते हुए कचरे का उचित प्रबंधन सुनिश्चित कराएं।

प्रतिबंधित प्लास्टिक डिस्पोजल का उपयोग न करें - आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने होटल, रेस्टोरेंट, शादी घर, आयोजन स्थल आदि के संचालकों, आयोजकों सहित जनसामान्य से भी अपील की है कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक डिस्पोजल का उपयोग कदापि न करें, उन्होने कहा है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग एक ओर जहॉं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, वहीं दूसरी ओर शहर की स्वच्छता, साफ-सफाई एवं पर्यावरण पर गंभीर प्रतिकुल प्रभाव डालता है, साथ ही प्लास्टिक अपशिष्ट मवेशियों के लिए अत्यंत घातक व कभी-कभी जानलेवा भी सिद्ध होता है, अतः प्रतिबंधित प्लास्टिक डिस्पोजल का उपयोग न करें, इसके स्थान पर अन्य वैकल्पिक साधनों को उपयोग में लाएं।

पाली तहसील में अवैध धान जब्ती की कार्रवाई, 600 क्विंटल धान जब्त

कोरबा । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कोरबा अजीत वंसत के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाली श्री रोहित सिंह के मार्गदर्शन में तहसील पाली क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मादन स्थित शुभम अग्रवाल के दुकान एवं गोदाम में संयुक्त रूप से दबिश दी गई। इस कार्यवाही में तहसीलदार पाली भूषण सिंह मंडावी, नायब तहसीलदार सुश्री राशिका अग्रवाल, हल्का पटवारी, खाद्य निरीक्षक श्री रविराज पाली और मंडी उपनिरीक्षक दिनेश कुमार व आकाश भारद्राज कटघोरा उपस्थित रहे। तहसीलदार पाली एवं राजस्व टीम द्वारा मादन स्थित गोदाम एवं दुकान से कुल 1500 बोरी (लगभग 600 क्विंटल) धान जब्त किया गया। गोदाम क्रमांक 01 एवं 02 से कुल 520 क्विंटल पतला धान और 80 क्विंटल मोटा धान जब्त कर सील किया गया तथा सुपुर्दगी शुभम अग्रवाल को दी गई। उक्त धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त कर कार्यवाही की गई।

इसके अतिरिक्त, पाली तहसील में पहले ही 1011 क्विंटल अवैध धान जब्ती की जा चुकी है। इस प्रकार की कार्रवाई क्षेत्र में निरंतर जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की अवैध धान संचयन की गतिविधियों को कड़ाई से रोका जाएगा।

विराट कोहली को पहली बार सामने से देखा, रोने लगी लड़की

रायपुर । भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 दिसंबर को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वनडे मैच खेला जाएगा। दोनों टीमें सोमवार को रांची से एक ही चार्टर्ड फ्लाइट से रायपुर पहुंचीं।एयरपोर्ट पर रोहित शर्मा, विराट कोहली को देखने भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं निजी होटल पहुंचने पर विराट कोहली को अपने इतने करीब देखकर एक फैन रोने लगी। उसने कोहली को गुलाब भी दिया।रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं। इसके बाद शाम 5.30 बजे से भारतीय टीम प्रैक्टिस करने उतरे हुए है। बता दें कि प्रैक्टिस के दौरान आम दर्शकों की एंट्री बैन है, जबकि क्क्ष्टद्ध के कार्डधारी ही स्टेडियम में प्रवेश कर सकेंगे। दोनों टीमों के लिए 30 स्थानीय खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है।प्रैक्टिस के दौरान इन खिलाड़ियों को रोहित-विराट के सामने गेंद डालने का मौका मिलेगा। वहीं क्क्रू मोदी की मौजूदगी में हुई ष्ठत्नक्क-ढ्ढत्नक्क कॉन्फ्रेंस में तैनात 2 हजार पुलिसकर्मियों को रोक लिया गया है। वनडे मैच के लिए तैनाती की गई है। वहीं 30 नवंबर को सिविल लाइन पुलिस ने ब्लैक में टिकट बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। गैर-कानूनी तरीके से टिकट खरीदकर ज्यादा दामों पर बेचा था।

रामनुजगंज) भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ में रमन अग्रवाल को प्रदेश सह-संयोजक की जिम्मेदारी

बलरामपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ में रामानुजगंज नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल को प्रदेश सहङ्कसंयोजक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति के बाद क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं एवं व्यापार जगत में उत्साह का माहौल है।

रमन अग्रवाल पिछले तीन दशकों से भाजपा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (क्ब्क्क) से की थी, जहाँ वे महाविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष रहे। संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें युवा मोर्चा में विभिन्न दायित्व सौंपे गए और मात्र 22 वर्ष की आयु में भाजपा मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

वर्ष 2004 में जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित होने के बाद वे दो बार नगर पंचायत रामानुजगंज के अध्यक्ष रहे तथा वर्तमान में नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। अपने निर्वाचित कार्यकालों में उन्होंने क्षेत्र में कई विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ ही पार्टी संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रदेश सहङ्कसंयोजक नियुक्ति से पूर्व वे भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ में सरगुजा संभाग प्रभारी एवं जशपुर विधानसभा प्रभारी के रूप में कार्य कर रहे थे। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे पार्टी द्वारा जताए गए।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस हमें यह सिखाता है कि सक्षम समाज वही है जो सबको साथ लेकर चलता है – मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है। छत्तीसगढ़ सरकार दिव्यांगजनो के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस समाज को यह समझने का अवसर देता है कि दिव्यांगजन किसी भी दृष्टि से कमतर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और प्रगतिशील समाज वही है जो सभी को बराबरी के अवसर प्रदान करे और किसी भी व्यक्ति को उसकी शारीरिक सीमाओं के कारण पीछे नहीं रहने दे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ, सहायता उपकरण, कौशल-विकास, रोजगार अवसर, सामाजिक सुरक्षा और अनुकूल वातावरण निर्माण के लिए अनेक योजनाएँ सुदृढ़ रूप से लागू की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलौदाबाजार को 194 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की देंगे सौगात
41 करोड़ रुपये के 94 कार्यों का लोकार्पण एवं 152 करोड़ रुपये के 80 कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 4 दिसम्बर 2025 को बलौदाबाजार के तहसील मुख्यालय सुहेला के दुर्गोत्सव मैदान में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय जिलेवासियों को 194 करोड़ 79 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। इसमें 41 करोड़ 91लाख रुपये के 94 कार्यों का लोकार्पण एवं 152 करोड़ 87 लाख रुपये के 80 कार्यों का भूमिपूजन कार्य शामिल है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा अतिविशिष्ट अतिथि होंगे। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, जांजगीर-चम्पा सांसद कमलेश जांगड़े, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि होंगे।

कार्यक्रम में 16013 हितग्राहियों को 5 करोड़ से अधिक राशि का सामग्री एवं चेक वितरण किया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास पूर्ण करने वाले 1073 हितग्राहियों को आवास की चॉबी सौंपी जायेगी। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना अंतर्गत 5000 किसानों को उनके अधिकार अभिलेख का वितरण, सायबर फ्रॉड प्रकरण के राशि वापसी का 27 लाख रुपये के चेक वितरण, श्रम विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को 83 लाख रुपये का चेक वितरण, आदिवासी विकास विभाग द्वारा 8333 छात्रों को 4 करोड़ 25 लाख पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति, छत्तीसगढ़ महिला कोष अंतर्गत महिला स्व सहायता समूहों एवं सक्षम योजना अंतर्गत 16 हितग्राहियों को 25 लाख रूपए का चेक वितरण, खादी ग्रामोद्योग द्वारा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत 10 हितग्राहियों को 9 लाख 69 हजार रुपये, हम होंगे कामयाब अंतर्गत 60 हितग्राहियों को 6 लाख 81 हजार रूपए का चेक वितरण शामिल हैं।

प्रमुख लोकार्पण कार्य- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 12 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत के 1073 आवास निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 1करोड़ 74 लाख रुपये की लागत के एकल नल जल योजना अमाकोनी,1 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत के रिट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना हथबंद, 1 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत के एकल नल जल योजना पौसरी , 1 करोड़ 44 लाख रुपये की लागत के एकल नल जल योजना सेम्हराडीह, 1 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत के नल जल प्रदाय योजना खपराडीह शामिल है।प्रमुख भूमिपूजन कार्य- लोक निर्माण विभाग द्वारा 49 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत के बलौदाबाजार-रिसदा-हथबंद मार्ग मजबूतीकरण कार्य, 20 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत के बलौदाबाजार के रिसदा बायपास मार्ग निर्माण, 15 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत के बलौदाबाजार में इंडोर स्टेडियम काम्प्लेक्स निर्माण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 8 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 717 आवासों का निर्माण, जल संसाधन विभाग द्वारा 8 करोड़ 4 लाख रुपये की लागत के विकासखंड तिल्दा की कोल्हान नाले के पार सुंगेरा एनिकट निर्माण शामिल है।

छत्तीसगढ़ भंडार क्रय अधिनियम 2002 में किया गया संशोधन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई बैठक में छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम 2002 में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने पत्रकारों को बताया कि छत्तीसढ़ के क्रय नियम में संशोधन किया गया है ताकि विभिन्न विभागों में क्रय को प्रोत्साहन दिया जा सके। ज्ञात रहे कि इस समय वेब पोर्टल से खरीदी की जा रही है जिससे बोरी दार नहीं आ रहे हैं। इससे कई तकनीकी समस्याएं आ रही है। ज्ञात रहे कि सरकार ने हाल ही में करोड़ों रूपए की चना, कागज तथा अन्य खरीदी की है। छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम, 2002 में स्थानीय लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों से क्रय को प्रोत्साहन देने तथा जेम पोर्टल में ऋय की स्पष्टता के लिए संशोधन किए जाने का निर्णय लिया गया। इन संशोधन से ऋय प्रक्रिया का सरलीकरण होगा, पारदर्शिता में वृद्धि होगी, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा तथा समय और संसाधनों की बचत होगी। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 (क्र. 21 सन् 2018) में संशोधन हेतु छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना संशोधन विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के रिफॉर्म्स और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस राज्यपाल रमेन डेका पहुंचे दिव्यांगों के बीच

रायपुर। आज अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राजधानी में विभिन्न कार्यक्रम समाजसेवी संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। राज्यपाल रमेन डेका कोपलवाणी सेमरिया में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे। राजधानी की शासकीय एवं निजी दृष्टिबाधित स्कूल में भी यह कार्यक्रम किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार रायपुर में आज अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। समाज सेवा विभाग द्वारा कैलिपर्स तथा ट्राइसाकिल भी बांटे जा रहे हैं। राजधानी में विभिन्न शासकीय पदों में हो साक्षात्कार हो रहे दिव्यांगों को प्राथमिकता दी जा रही है। इधर दिव्यांग बच्चे वाइस विजुअल और विल पावर की तकनीक रास्ता तलाश रहे हैं। शासन के एक मात्र शासकीय दृष्टि बाधित और श्रवण बाधित स्कूल मठपुरैना में खुद को गढ़ रहे हैं। समाज जिस चुनौतियों बाधा मानता है, इन बच्चों ने अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया है। स्कूल में कम्प्यूटर लैब, एनआई टूल्स, डिजिटल बोर्ड और नई रोशनी दी है।

गाली-गलौज के विवाद पर युवक की हत्या, 1 आरोपी और दो नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

रायपुर । राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र में गाली-गलौज की बात पर एक युवक की बेरहमी से हत्या करने वाले तीन आरोपियों एक वयस्क और दो विधि के साथ संघर्षरत बालकों–को पुलिस ने घटना के चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। यह हत्या ग्राम गुमा स्थित सिंघानिया पेट्रोल पंप के पास हुई थी, जहां मृतक फुल्लम सिंह गोंड को खून से लथपथ हालत में पाया गया था। पुलिस की त्वरित जांच, सीसीटीवी विश्लेषण और तकनीकी इनपुट के आधार पर तीनों आरोपियों को दबोच लिया गया। घटना का विवरण दिनांक 30 नवंबर की रात पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम गुमा में सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति खून से लथपथ पड़ा है। उरला पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। युवक के शरीर पर हथियार से किए गए वार के निशान स्पष्ट दिख रहे थे। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हालात देखकर यह साफ था कि किसी तेज धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या की गई है। मृतक की पहचान प्रारंभिक स्तर पर नहीं हो पाई थी। वरिष्ठ अधिकारियों–पुलिस उप महानिरीक्षक एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए टीम को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर गाइडलाइन की अव्यावहारिक वृद्धि पर सांसद बृजमोहन का प्रहार

रायपुर । छत्तीसगढ़ की जनता के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फिर अपनी दृढ़, संवेदनशील और जननायक शैली का परिचय दिया है। प्रदेश में भूमि खरीदी-बिक्री के लिए कलेक्टर गाइडलाइन दरों में 100 से 800 प्रतिशत तक की वृद्धि पर आपत्ति जताते हुए, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को विस्तृत पत्र लिखकर इस निर्णय को तत्काल स्थगित कर पुनर्विचार करने की मांग की है। अपने पत्र में अग्रवाल ने लिखा है कि, प्रदेश में बिना किसी जन-परामर्श, बिना किसी वास्तविक मूल्यांकन और बिना सामाजिक-आर्थिक प्रभावों की समीक्षा के कलेक्टर गाइड लाइन दरों में अनियोजित वृद्धि कर दी गई है। इससे पूरे प्रदेश में अनेक वर्गों में असंतोष उफान पर है। किसान, छोटे व्यवसायी, कुटीर-उद्यमी, मध्यम वर्ग, छोटे रियल एस्टेट क्षेत्र और निवेशक - सभी इस निर्णय के खिलाफहै व्यापक विरोध को देखते हुए यह निर्णय किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। सांसद अग्रवाल ने स्पष्ट कहा है कि यह वृद्धि ''इज ऑफ लिविंग'' और ''इज ऑफ डूइंग बिजनेस'' दोनों के विपरीत है और

प्रदेश की आर्थिक रीढ़ पर सीधी चोट है। उन्होंने लाभांडी और निमोरा जैसे गाँवों के चौंकाने वाले उदाहरण प्रस्तुत कर बताया कि किस प्रकार बिना किसी वास्तविक मूल्यांकन के गाइडलाइन दरों में 725त्न और 888त्न तक की वृद्धि कर दी गई है, जो किसी भी आर्थिक न्याय का पालन नहीं करती। साथ ही, नवा रायपुर के ग्रामीण क्षेत्रों को बिना आवश्यक सुविधाएँ विकसित किए नगरीय क्षेत्र घोषित करने पर भी उन्होंने गंभीर सवाल उठाए हैं। सांसद अग्रवाल का कहना है कि, गाइड लाइन दर में वृद्धि पर दावा किया जा रहा है कि किसानों को भूमि अधिग्रहण में अधिक मुआवजा मिलेगा। परन्तु वस्तुस्थिति बिल्कुल अलग है। भूमि का केवल 1त्न हिस्सा ही अधिग्रहण में आता है, किंतु 99प्रतिशत जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। गाइडलाइन मूल्य 100प्रतिशत बढ़ाने के बाद भी पंजीयन शुल्क 4प्रतिशत बनाए रखना जनता के साथ अन्याय है, जिसे घटाकर पुनः 0.8प्रतिशत किया जाना चाहिए। अपने पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि, 20/11/2025 को लागू नई गाइडलाइन वृद्धि को तत्काल स्थगित किया जाए। पूर्ववत गाइडलाइन पुनः लागू की जाए साथ ही स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति का गठन कर वास्तविक बाजार मूल्यांकन कराया जाए। श्री अग्रवाल ने नवा रायपुर में सम्मिलित ग्रामीण क्षेत्रों को नगरीय क्षेत्र से करने तथा पंजीयन शुल्क 4प्रतिशत से घटाकर 0.8प्रतिशत किया जाए। प्रदेश की जनता के हक में खड़े होने वाले सशक्त और मुखर जननेता सांसद बृजमोहन अग्रवाल हमेशा ही जनसमस्याओं को शासन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए संघर्ष करने के लिए पहचाने जाते हैं। इस मुद्दे पर उनका हस्तक्षेप एक बार फिर यह साबित करता है कि वे राजनीति में नहीं, जनसेवा में विश्वास करते हैं। उनका यह कदम प्रदेश की लाखों परिवारों की आवाज बनकर उभरा है।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर, पांच लोग घायल

बिलासपुर। सड़क हादसों पर लगातार लगाम लगाने के प्रयासों के बावजूद जिले में लापरवाह ड्राइविंग के कारण दुर्घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा मामला नयापारा सिरगिट्टी का है, जहां ग्राम छतौना से लौट रहे पांच लोग एक तेज रफ्तार कार की लापरवाही का शिकार बन गए। हादसे में सभी घायल हुए, जिन्हें न्यू जनता हॉस्पिटल तिफरा में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद पीड़ितों ने चकरभाठा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित युवक, नयापारा सिरगिट्टी निवासी मजदूर ने पुलिस को बताया कि 15 नवंबर को वह अपने चाचा के गांव छतौना में हुए बर्थडे कार्यक्रम में शामिल होने गया था। उसके साथ उसका दोस्त जितेंद्र यादव भी था। दोनों 16 नवंबर की सुबह अपने घर लौटने के लिए ऑटो से निकले। जब वे पंचायत भवन छतौना के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक छ्त्त 10 क्क्ष 7503 के चालक ने तेजी और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो पलट गया और उसमें बैठे सभी लोग सड़क पर गिर पड़े। हादसे में शिकायतकर्ता के दाहिने हाथ और दाहिने पैर में चोट आई। उसका दोस्त जितेंद्र यादव भी गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं अन्य सवारियां कुंवारा बाई, अंवेश सूर्यवंशी और दीपक दुबे भी घायल हुए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पीड़ितों के परिजनों को दी और मौके से एंबुलेंस एवं निजी वाहनों की मदद से सभी को न्यू जनता अस्पताल तिफरा पहुंचाया गया। पीड़ितों का अस्पताल में इलाज लगभग दो सप्ताह तक चला। 30 नवंबर को सभी को डिस्चार्ज किया गया इसके बाद 1 दिसंबर को शिकायतकर्ता चकरभाठा थाना पहुंचा और आरोपी कार चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उसने बताया कि घटना के प्रत्यक्षदर्शी आसपास के कई लोग हैं, जिन्होंने दुर्घटना को अपनी आंखों से देखा। पीड़ित ने यह भी उल्लेख किया कि रिपोर्ट लिखवाने के बाद पढ़कर सुनाई गई और वही दर्ज की गई, जैसा उसने बताया था। अब वह पुलिस से इस मामले में न्याय की उम्मीद कर रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है और वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। यह हादसा फिर एक बार साबित करता है कि तेज रफ्तार और लापरवाही भरी ड्राइविंग सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। पुलिस अब इस प्रकरण में आगे की कार्रवाई कर रही है।

कलेक्टर जनदर्शन में जानकी बाई की समस्या का त्वरित हुआ समाधान

मुंगेली। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर कुंदन कुमार ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी और निष्पक्ष कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। इसी दौरान लोरमी ब्लॉक के ग्राम बरबसपुर की निवासी जानकी बाई ने भूमि पंजीयन में हुई बड़ी धोखाधड़ी की शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर ने मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए संबंधित विभाग को तुरंत जांच शुरू करने और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया।

जानकी बाई के अनुसार, राजस्व अभिलेख में दर्ज उनकी 1.34 एकड़ जमीन को रिकॉर्ड दुरुस्तीकरण के बहाने आरोपियों ने फर्जी तरीके से अपने नाम पर रजिस्ट्री करा ली। उन्होंने बताया कि विक्रय पत्र में 6 लाख रुपये भुगतान दिखाया गया है, जबकि यह राशि न तो नकद मिली और न ही बैंक खाते में

स्थानांतरित हुई। आवेदिका ने पूरे मामले की कड़ी जांच कर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कलेक्टर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट कहा कि भूमि धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पीड़ित को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

महिला एवं बाल विकास विभाग का औचक निरीक्षण, अव्यवस्था देख कलेक्टर नाराज*

कलेक्टर कुंदन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय का अचानक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण में कार्यालय में फाइलों की अव्यवस्थित स्थिति, साफ-सफाई की कमी और कार्यस्थल के खराब वातावरण को देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई।विभिन्न पदों के लिए चल रही भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक देरी पाए जाने पर कलेक्टर ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि भर्ती कार्य पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय में पूरा किया जाए, ताकि विभागीय कार्य प्रभावित न हों।कार्यालय की अव्यवस्था को गंभीर मानते हुए उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी संजुला शर्मा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही फाइल प्रबंधन सुधारने, स्वच्छता बढ़ाने और कार्यालय व्यवस्था सुव्यवस्थित करने के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए।

घरेलु विद्युत उपभोक्ताओं को कैबिनेट ने रियायत देने का लिया निर्णय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की बैठक में राज्य के घरेलु विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट से बढ़ाकर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक बिजली बिल में 50 प्रतिशत छुट का लाभ देने का यह लाभ 400 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ताओं को मिलेगा। महानदी में कैबिनेट की बैठक के पश्चात कैबिनेट की निर्णयों की जानकारी देते हुए शासकीय प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में पिछले दिनों 100 यूनिट खपत वाले उपभोक्तओं वाले बिजली हॉफ का लाभ दिया गया था उसे बढ़ाकर 200 यूनिट प्रतिमाह कर दिया गया है। इससे करीब 30 हजार उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने बताया कि राज्य के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने के लिए मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान राज्य में 01 दिसम्बर 2025 से लागू है, जिसके तहत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट से बढ़ाकर अब 200 यूनिट प्रति माह तक बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। यह लाभ 400 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ताओं को भी मिलेगा। राज्य में 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को अगले एक वर्ष तक 200 यूनिट तक, बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा, इससे 6 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, ताकि इस अवधि में वे अपने घरों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करा सके। इस तरह मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान से प्रदेश के 42 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, वहीं प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना का लाभ प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं को मिलेगा। गौरतलब है कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य शासन की ओर से सब्सिडी दी जा रही है, जिसके तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 15,000 रुपये तथा 2 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)